K.G. ARTS & SCIENCE (AUTONOMOUS) COLLEGE, RAIGARH (C.G.)

DEPARTMENT OF - HISTORY

SYLLABUS BASED ON UGC MODEL CURRICULUM

M.A/M.Sc. Semester 1st/ ~~2nd/3rd/4th~~ 2018-19, 2019-20, 2020-2021

Scheme for theory Papers :

- The Syllabus comprise of ......16...... Papers.
- Each paper is divided in .... unit/section.
- (Note : If there is no unit or section system, please mention)
- Students will have to attempt .... question of each unit/ section.
- Thereby a total of .... question s form each paper.
- In case of No. unit/section system :
  - a. Total No. Of question to be asked ...08..
  - b. Total No. of question to be attempted by a student ......04......
- If you are following any other type of question paper pattern, please mentio it in detail.
- Duration of each paper for the examination purpose shall be ...THREE Hours.
- Maximum marks 80 and 29 is pass marks in each theory paper and 20 marks for internal test (10 marks written + 10 marks seminar). Passing mark in internal test is 7 out of 20.

Title of Paper No. and Name :

Semester No ...Ist...... Paper No. 1 to 4

1. Historiography, concept Methods and Tools
2. History of Modern Europe (1914-1945 AD) PART-I
3. History of Chhattisgarh (From the beginning - 1853 A.D.)
4. History of India (1757-1857 A.D.)
5. ....

Scheme For the Practical Examination :

There will be .... practical examination paper in each semester.

Each practical examination will be of .... marks each. Qualifying marks 36%

Practical No. and the name of the practical paper will be as below.

Practical No. .... Title ....

Practical No .... Title ....

Duration ....

R. Baril

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सेमेस्टर – I, प्रश्नपत्र - I PAPER code – 1001

इतिहास लेखन की अवधारणा, पद्धतियाँ एवं साधन

(HISTORIOGRAPHY, CONCEPT, METHODS AND TOOLS)

Time: 3 Hours **PART – I** **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. इतिहास का अर्थ :
   - अ इतिहास क्या है?
   - ब इतिहास का उत्पत्ति
   - स इतिहास का अर्थ
   - द इतिहास की परिभाषा
   - इ इतिहास के साधन
2. इतिहास का क्षेत्र विस्तार :
   - अ तथ्यों का संकलन एवं चयन
   - ब साक्ष्य एवं उनका अनुप्रयोग
   - स इतिहास में कारण
   - द इतिहास दर्शन एवं इतिहास वाद
   - इ इतिहास में पूर्वाग्रह
3. इतिहास का अन्य विषयों से संबंध :

अ इतिहास एवं पुरातत्व, भुगोल, मानवशास्त्र, समाज शास्त्र, राजनीति शासत्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र, भाषा विज्ञान, प्राकृतिक विज्ञान, व्यवहारिक विज्ञान एवं साहित्य से संबंध।

4. इतिहास लेखन की परम्पराएं एवं अवधारणाएं

अ प्राचीन काल में इतिहास लेखन - यूनानी-रोमन परंपरा, चीनी इतिहास लेखन, प्राचीन भारत में इतिहास लेखन की परंपरा

ब मध्यकालीन इतिहास लेखन - पश्चिमी इतिहास लेखन, अरबी एवं फारसी इतिहास लेखन

स मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन

संदर्भ ग्रंथः-

1. R.K. Majumdar & A.N. Shrivastav - Historiography
2. K.L. Khurana - Concept & Method of Historiography
3. परमानंद सिंह - इतिहास दर्शन
4. गोविन्द चंद्र पाण्डेय - इतिहास स्वरुप एवं सिद्धांत
5. झारखण्ड चौबे - इतिहास दर्शन
6. मानिकलाल गुप्ता - इतिहास स्वरुप, अवधारणाएं एवं उपयोगिता
7. ई.एच.कार - इतिहास क्या है
8. बुद्ध प्रकाश - इतिहास दर्शन

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सेमेस्टर – I, प्रश्नपत्र - II

PAPERCODE- 1002

आधुनिक यूरोप का इतिहास

(HISTORY OF MODERN EUROPE)

Time: 3 Hours **(Form 1914 A.D. to 1945 A.D.)** **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. 19वीं सदी की भूमिका :
   - अ पूंजीवाद का विकास
   - ब साम्राज्यवाद का विकास
   - स उदारवाद का उदय
   - द समाजवाद का उदय
   - इ राष्ट्रवाद का उदय
2. 1919 तक विश्व की राजनीतिक स्थितियां :
   - अ प्रथम विश्वयुद्ध - कारण एवं परिणाम
   - ब शांति संधियां एवं उनके दूरगामी परिणाम
   - स रुसी क्रांति 1917 - कारण एवं परिणाम?
   - द रुस की क्रांति के पश्चात समाजवादी व्यवस्था, विश्व पर इसका आर्थिक एवं राजनीतिक प्रभाव तथा पश्चिम में प्रतिक्रिया।
3. दो महायुद्धों के बीच विश्व :
   - अ राष्ट्र संघ
   - ब सामूहिक सुरक्षा
   - स पूंजीवाद का संकट
   - द महान आर्थिक मंदी
   - इ उदारवादी विचारधारा एवं सामाजिक आंदोलन
4. अधिनयाक तंत्र का उदय :
   - अ जर्मनी का उत्कर्ष - नाजीवाद के उदय के कारण, हिटलर की गृह एवं विदेश नीति।
   - ब इटली का उत्कर्ष - फांसीवाद के उदय के कारण मुसोलिनी की गृह एवं विदेश नीति।
   - स जापान की भूमिका -

संदर्भ ग्रंथ :-

1. दीनानाथ वर्मा - आधुनिक विश्व का इतिहास
2. वी.पी. राव - हिस्ट्र आफ वर्ल्ड
3. जगदीश चंद्र झा - यूरोप का इतिहास
4. Lipson - Nintinth's & Twentieth's Century's Europe
5. E.H. Kar - Europe Between two World Wars
6. ए.एल. पंचोली - विश्व का इतिहास
7. एम.एल. गुप्त - विश्व का इतिहास 1789-1945

R.Barn

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सेमेस्टर – I, प्रश्नपत्र - III

PAPER CODE - 1003

छत्तीसगढ़ का इतिहास

(HISTORY OF CHHATTISGARH)

Time: 3 Hours (प्रारंभ से 1853 ई. तक) **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. प्रारंभिक इतिहास :
   - 1 क्षेत्र का परिचय सीमाएं नामकरण - दक्षिण कोसल एवं छत्तीसगढ़।
   - 2 प्रागैतिहासिक-काल।
   - 3 वैदिक-काल से मौर्य पूर्व तक का इतिहास।
   - 4 मौर्यकालीन इतिहास, सातवाहन प्रभाव।
   - 5 गुप्त एवं वाकाटंकों का छत्तीसगढ़ से संबंध एवं प्रभाव।
2. क्षेत्रीय राजवंश :
   - 6 बस्तर का नालवंश, राजर्षितुल्य-कुल।
   - 7 शरभपुरीय वंश।
   - 8 दक्षिण कोसल (सिरपुर) का पाण्डुवंश।
   - 9 रतनपुर एवं रायपुर के कल्चुरी।
   - 10 बस्तर के छिंदकनाग, कवर्धा का फणि-नागवंश एवं कांकेर का सोमवंश।
3. मराठाकाल :
   - 11 मराठा पूर्व छत्तीसगढ़ की राजनीतिक स्थिति, कल्चुरियों का पराभव, क्षेत्रीय जमींदार
   - 12 बिम्बाजी-भोंसले।
   - 13 सूबा-शासन।
4. ब्रिटिश प्रभाव :
   - 14 ब्रिटिश-नियंत्रण एवं नीति (1818-1830 ई. तक)
   - 15 रघुजी तृतीय (1830-1853 ई. तक)
   - 16 प्रशासन (प्रारंभिक काल से विदेश काल से पूर्व तक)

संदर्भ ग्रंथ :-

1. प्यारेलाल गुप्त - प्राचीन छत्तीसगढ़
2. भगवान सिंह वर्मा - छत्तीसगढ़ का इतिहास
3. अशोक शुक्ला - छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय आंदोलन का प्रशासनिक इतिहास
4. रमेन्द्र नाथ मिश्र - ब्रिटिश कालीन छ.ग. का प्रशासनिक इतिहास
5. मदनलाल गुप्ता - छत्तीसगढ़ दिग्दर्शन
6. सुरेश शुक्ला - छ.ग. का समग्र इतिहास
7. रमेन्द्रनाथ मिश्र एवं शांता शुक्ला - छ.ग. का राजनैतिक इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन

R. Barik

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सेमेस्टर – I, प्रश्नपत्र - IV

PAPER code · 1004

भारत का इतिहास

(HISTORY OF INDIA)

Time: 3 Hours **(1757 ई. से 1857 ई. तक)** **Max.Marks:80**
Min.Marks:29

---

1 आधुनिक भारत की बोधगम्यता : स्त्रोत
- अ अभिलेखाकार के अभिलेख
- ब समाचार पत्र, पत्रिकाएं
- स मौखिक परम्पराएं
- द उपागम एवं व्याख्या, विभिन्न विचारधाराएं

2 मध्य अठारहवीं शताब्दी में भारत :
- अ पूर्व औपनिवेशक व्यवस्था।
- ब अर्थव्यवस्था।
- स समाज एवं संस्कृति।

3 ब्रिटिश सत्ता का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण :
- अ विस्तार एवं वाणिज्यवाद एवं सिद्धांत एवं वाणिज्य की विशेषताएं।
- ब यूरोप एवं भारत में वाणिज्यवाद के सिद्धांत एवं वाणिज्यवाद की विशेषताएं।
- स विस्तार की नीतियां एवं कार्यक्रम।
- द प्रशासनिक संरचना एवं संस्थाएं

4 विस्तार के उपकरण - युद्ध एवं कूटनीति :
- अ आंग्ल मैसूर संघर्ष (1766-1799)
- ब आंग्ल मराठा संघर्ष (1772-1818)
- स राजस्तान, मध्य भारत तथा गांग्ल पंजाब संबंध (1709-1849)
- द आंग्ल अवध संबंध (1773-1856)

संदर्भित पुस्तकें :-

1 सुमित सरकार - आधुनिक भारत
2 बी.डी. महाजन - आधुनिक भारत
3 रोमिला थापर - भारत का इतिहास
4 रामलखन शुक्ल - आधुनिक भारत
5 एस.एल. नागोरी - आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
6 सरोज बाला - आधुनिक भारत का आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास
7 S.P. Nanda - History of India
8 Sumit Sarkar - Modern of India
9 P.N. Chopra, B.N. Puri, M.N. Das - A Social Culture and Economic History of India (Vol. I & II)
10 Thirthakar Roy - The Economic History of India 1857-1947

PAPER code - 10001

इतिहास

बी.ए. सेमेस्टर–I

सत्र 2016–17

(भारत का इतिहास प्रारम्भ से 1206 ई. तक)

HISTORY OF INDIA FROM THE BEGINNG TO 1206 A.D.

उद्देश्य :– इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जो प्राचीन भारत के इतिहास के प्रमुख राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पक्षों से परिचित कराना है जो कि यू.जी.सी. मानदंडों के अनुरूप है।

इकाई–1

1. भारतीय इतिहास के स्त्रोतों का सर्वेक्षण
2. भारत की भौगोलिक विशेषताएं
3. प्रागैतिहासिक – पूर्व पाषाण युग से नवपाषाण युग तक सभ्यता एवं संस्कृति
4. हड़प्पा सभ्यता – निर्माता, प्रसार, नगर योजना, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक संरचना

इकाई–2

1. ऋग्वैदिक काल – राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक
2. उत्तरवैदिक काल – राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक
3. महाकाव्य काल – सभ्यता एवं संस्कृति
4. ईसा पूर्व छठवीं शताब्दी का भारत तथा बौद्ध एवं जैन धर्म

इकाई–3

1. मगध साम्राज्य का उदय
2. सिकन्दर का आक्रमण और उसका प्रभाव
3. मौर्य साम्राज्य की स्थापना – चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक, अशोक के धम्म
4. मौर्यकालीन प्रशासन अर्थववस्था एवं कला तथा संस्कृति

इकाई–4

1. मौर्योत्तरकाल – शुंग, कुषाण एवं सातवाहन
2. संगम युग – साहित्स, संस्कृति
3. चोल
4. गुप्त साम्राज्य – प्रशासन, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक दशा

इकाई–5

1. पल्लव, चालुक्य, वर्धन, राष्ट्रकूट
2. भारत का दक्षिण पूर्व एशिया एवं श्रीलंका से संबंध
3. मोहम्मद बिन कासिम, गजनवी एवं गोरी का आक्रमण
4. प्राचीन भारत में नारी की स्थिति

संदर्भ ग्रंथ –

1.	रतिभानु सिंह नाहर	–	प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति
2.	शांता शुक्ला	–	भारत की राजनीतिक इतिहास (राजपूत कालीन भारत)
3.	द्विजेन्द्र नारायण एवं श्रीमाली	–	प्राचीन भारत
4.	ओम प्रकाश	–	प्राचीन भारत
5.	बी.एन.लूनिया	–	प्राचीन भारतीय संस्कृति
6.	एस.आर.शर्मा	–	प्राचीन भारत – प्रगैतिहासिक युग से 1200 ई. तक
7.	K.L. Khurana	-	Ancient India from Earliest Time to 1206 A.D.
8.	K.L. Khurana	-	History of India from Earliest Time to 1526 A.D.
9.	Vincent Smith	-	Oxford History of India
10.	भार्गव	–	प्राचीन भारत
11.	L. Prasad	-	Ancient Indus Valley Civilization to 1200 A.D.

30/11/16 30.11.16 30-11-2016 30.11.16

PAPER code. 10002

इतिहास
बी.ए. सेमेस्ट – II
सत्र 2016–17
विश्व का इतिहास (1453 से 1789 ई. तंक)

इकाई – 1	1.	सामन्तवाद का पतन एवं आधुनिक युक का प्रारम्भ
	2.	पुनर्जागरण
	3.	धर्म सुधार आन्दोलन
	4.	प्रति धर्म सुधार आन्दोलन
इकाई – 2	1.	तीस वर्षीय युद्ध का कारण, परिणाम तथा प्रभाव
	2.	राष्ट्रीय राज्यों का उदय स्पेन, फ्रांस
	3.	राष्ट्रीय राज्यों का उदय,– इंग्लैण्ड, रूस
	4.	पोलैण्ड का विभाजन
इकाई – 3	1.	आधुनिक पाश्चात्य जगत के आर्थिक आधार
	2.	वाणिज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का प्रारम्भ
	3.	औद्योगिक क्रांति कारण
	4.	औद्योगिक क्रांति के परिणाम
इकाई – 4	1.	इग्लैण्ड में गृह युद्ध : घटनाएं
	2.	इग्लैण्ड में गृह युद्ध : कारण एवं परिणाम
	3.	गौरव पूर्ण क्रांति (1988) कारण
	4.	गौरव पूर्ण क्रांति (1688) के परिणाम
इकाई – 5	1.	लुई चतुर्दश – गृह नीति
	2.	लुई चतुर्दश – विदेश नीति
	3.	अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम
	4.	फ्रांस की क्रांति के कारण

संदर्भ ग्रंथ :–

1. बी.एन. मेहता – अर्वाचीन यूरोप
2. बालकृष्ण पंजाबी – आधुनिक विश्व की प्रमुख धारायें
3. K.L. Khurana - History of Modern World
4. Khurana & Sharma - Modern Europe 1453-1789 A.D.

30/11/16 30.11.16 30-11-2016 Ashivastava 30/11/16

PAPER code · 10003

इतिहास
बी.ए. सेमेस्टर – III
सत्र 2016–17
(भारत का इतिहास सन् 1206 से 1761 ई. तक)

उद्देश्य – इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मध्यकालीन भारत के इतिहास के प्रमुख राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पक्षों से परिचित कराना है जो कि यू.जी.सी. मानदंडों के अनुरूप है।

इकाई – 1.
1. सल्तनतकालीन एवं मुगलकालीन इतिहास के स्त्रोत
2. दास वंश – ऐबक, इल्तुतमिश, रजिया, बलवन
3. खिलजी वंश – अलाउद्दीन खिलजी
   तुगलक वंश – मोहम्मद बिन तुकगलक, फिरोजशाह तुगलक
4. तैमूर का भारत आक्रमण

इकाई – 2.
1. मुगल साम्राज्य की स्थापना – बाबर
   शेरशाह सूरी की प्रशासन व्यवस्था
2. अकबर की राजपूत नीति
3. मुगल शासकों की धार्मिक नीति – अकबर से औरंगजेब तक
4. राजनीतिक संस्थाएं एवं प्रशासन

इकाई – 3.
1. सल्तनतकालीन सामाजिक, आर्थिक दशा
2. मुगलकालीन सामाजिक, आर्थिक दशा
3. भक्ति आन्दोलन
4. सूफीवाद

इकाई – 4.
1. सल्तनतकालीन स्थापत्य
2. मुगलकालीन स्थापत्य एवं चित्रकला
3. सल्तनतकालीन साहित्य
4. मुगलकालीन साहित्य

इकाई – 5.
1. विजयनगर राज्य – कृष्णदेव राय
2. बहमनी राज्य
3. शिवाजी प्रशासन
4. तृतीय पानीपत युद्ध – कारण एवं परिणाम

अनुशांसित ग्रन्थ –

1. श्रीवास्तव ए.एल. – भारत का इतिहास (अंग्रेजी अनुवाद)
2. श्रीवास्तव ए.एल. – दिल्ली सल्तनत (अंग्रेजी अनुवाद)
3. श्रीवास्तव ए.एल. – मुगलकालीन भारत (अंग्रेजी अनुवाद)
4. हबीबुल्लाह – भारत में मुस्लिम शासन की बुनियाद
5. मजूमदार, राय चौधरी एवं दत्त – भारत का वृहत इतिहास खंड – 2

क्रमशः...02

30/11/16 30.11.16 30-11-2016 30.11.16

6. पंजाबी बी.के. – भारत का इतिहास (1206–1761) (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल)
7. हबीब एवं निजामी – दिल्ली सल्तन
8. वर्मा हरिशचन्द्र – मध्य कालीन भारत (750–1540)
9. शर्मा कालूराम एवं व्यास प्रकाश – मध्य कालीन भारतीय संस्कृति
10. सक्सेना आर.के. – दिल्ली सल्तनत
11. राधेशरण – भारत की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना और संस्कृति के मूल तत्व (आदिकाल से 1950 ईस्वी तक) (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल)
12. पाण्डेय ए.बी. – पूर्व मध्यकालीन भारत
13. पाण्डेय ए.बी. – उत्तर मध्यकालीन भारत
14. ईश्वरी प्रसाद – मुगलकालीन भारत
15. श्रीवासतव एच.एस. – मुगलकालीन शासन व्यवस्था
16. सरदेसाई जी.एस. – मराठों का नवीन इतिहास खंड– 2
17. सरकार जे.एन. – शिवाजी और उनका युग
18. त्रिपाठी आर.पी. – मुगल साम्राज्य का इतिहास और पतन
19. मित्तल ए.के. – यूनीफाइड इतिहास (प्रारंभ से 1761 ई. तक)
20. मित्तल ए.के. – यूनीफाइट इतिहास प्राचीन काल से 1950 ईस्वी तक
21. Dey, U.N. - Mughal Government
22. Habibulla, A.D.M. - Foundation of Muslim Rule in India
23. Habib & Nizami - Comprehensive History of India
24. Majumdar, Roy Choudhary - An Advanced History of India Vol-II & Dutt
25. Mehta - Advanced study in the Medival History of India
26. Pandey A.B. - Early Medieval indai
27. Pandey A.B. - Medieval india
28. Prasad Ishwari - Medieval India
29. Sarkar, J.N. - Shivaji and Time

30/11/16 30.11.16 30-11-2016

इतिहास

बी.ए. सेमेस्टर – V

सत्र 2016–17

PAPER code · ~~10006~~ 10005

भारत का इतिहास सन् 1761 ई. से 1950 ई. तक

उद्देश्य – इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक काल में भारत के राजनीति, सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृति इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

इकाई – 1

1. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण – युद्ध एवं कूटनीति – कर्नाटक युद्ध
2. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण – प्लासी एवं बक्सर
3. सहायक संधि एवं हड़प नीति
4. ब्रिटिश प्रशासन एवं सुधार – बेंटिंग, लिटन, रिपन, कर्जन

इकाई–2

1. वाणिज्यवाद – उद्योगों का पतन
2. वाणिज्यवाद – व्यापार का पतन
3. कृषि का ह्रास एवं कृषक आन्दोलन
4. भूराजस्व व्यवस्थाएं – स्थाई बन्दोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी

इकाई–3

1. भारतीय पुनर्जागरण – ब्रम्हा समाज आर्य समाज प्रार्थना समाज,
2. रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसायटी अलीगढ़ आन्दोलन
3. पाश्चात्य शिक्षा का विकास एवं प्रेस
4. विभिन्न सामाजिक वर्ग – कृषक, मजदूर, मध्यम वर्ग एवं महिलाएं

इकाई–4

1. राष्ट्रवाद का उदय एवं 1857 की क्रांति
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस – उदारवादी, उग्रवादी
3. क्रांतिकारी आन्दोलन
4. गांधीवादी आन्दोलन

इकाई–5

1. साम्प्रदायिकता : उदय एवं विकास
2. सुभाषचन्द्र बोस एवं आजाद हिन्द सेना
3. भारत का संवैधानिक विकास : 1919 ई. – द्वैध शासन, 1935 – प्रान्तीय स्वायत्ता
4. भारत की स्वतंत्रता तथा भारतीय संविधान की विशेषताएं।

संदर्भ ग्रंथ –

1. Sarkar and Dutt - Modern India (English and Hindi Version)

30/11/16 30.11.16 R. Paul 30-11-2016

क्रमशः..02

Singh, Gurumukh Nihal	-	Landmarks in Indian Constitutional Development and National MOvement.
3. Agrawal R.C.	-	Indian Constitutional Development and National MOvement in India.
. राधेशरण	–	भारत की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना और संस्कृति के मूल तत्व (आदिकाल) से 1950 ई. तक) (म.प. हिन्दी ग्रंथ अकादमी का प्रकाशन)
. मिश्रा जे.पी.	–	आधुनिक भारत का इतिहास
. नागौरी एस.एल.लाल	–	आधुनिक भारत का इतिहास
ग्रोवर बी.एल.	–	आधुनिक भारत का इतिहास
दुबे सत्यनारायण	–	आधुनिक भारत का इतिहास
मजूमदार दत्त राय चौधरी	–	भारत का वृहत् इतिहास
. जैन एम.एस.	–	आधुनिक भारत का इतिहास
. सिंह प्रताप	–	आधुनिक भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास
. सिंह प्रताप	–	आधुनिक भारत (1958–1919)
. सिंह प्रताप	–	आधुनिक भारत (1919–1950)
दिल्ली विश्वविद्यालय प्रकाशन	–	आधुनिक भारत का इतिहास
दिवाकर ब्रज मोहन	–	आधुनिक भारत
छाबड़ा जी.एस.	–	आधुनिक भारत का इतिहास (तीन खण्डों में)
नागपाल ओम	–	भारत का राष्ट्रीय आंदोलन और ....
सीताराम शर्मा	–	उन्नीसवीं सदी भारतीय संग्राम की रूपरेखा
डॉ. सीताराम जी 'श्याम'	–	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की रूपरेखा
विपिन चन्द्रा	–	भारत का स्वतंत्रता संग्राम
रामलखन शुक्ल	–	आधुनिक भारत
रमेशचन्द्र दत्त	–	ब्रिटिश बारत का आर्थिक इतिहास
डॉ. अयोध्या सिंह	–	भारत का मुक्ति संग्राम
डॉ. एग्नेस ठाकुर	–	आधुनिक भारत का इतिहास

30/11/16 30.11.16 30-11-2016 A. Shrivastava

PAPER code
1000 6

इतिहास
बी.ए. सेमेस्टर – VI
सत्र 2016–17
विश्व इतिहास – सन् 1871 ई. से 1945 ई. तक

उद्देश्य – इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य का ज्ञान भी इन्हें देना हैं।

इकाई – 1
1. फ्रांस का तृतीय गणतंत्र
2. बिस्मार्क : गृह एवं विदेश नीति
3. विलियम द्वितीय की विदेश नीति
4. अफ्रीका का विभाजन

इकाई–2
1. जापान का आधुनिकीकरण
2. रूस – जापान युद्ध : कारण एवं परिणाम
3. चीन की क्रांति – कारण एवं परिणाम
4. डॉ. सन–यात–सेन

इकाई–3
1. पूर्वी समस्या – बर्लिन कांग्रेस, युवा तुर्क आन्दोलन
2. बाल्कन युद्ध : कारण एवं परिणाम
3. प्रथम विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम
4. रूस की क्रांति 1917

इकाई–4
1. वर्साय की संधि
2. फासीवाद – मुसोलिनी
3. नाजीवाद – हिटलर
4. जापान का सैन्यवाद – तोजो

इकाई–5
1. राष्ट्रसंघ : स्थापना एवं विल्सन के 14 सूत्र
2. द्वितीय विश्वयुद्ध – कारण एवं परिणाम
3. राष्ट्रसंघ – उपलब्धियां

अनुशंसित ग्रंथ –

1. Grant and Temperley - , Europe in 19th and 20th Century (also Hi-Version)

30.11.16 30/11/16 R. Pow 30-11-2016 A Shrivastava

2. Kettelby	-	History of the Modern Times
3. Moon	-	Imperialism in World Politics
4. Plamor & Parkins	-	International Politics
5. Parks, Hengy Bamford	-	The United States of Americe A History
6. Panikkar K.M.	-	Asia and Western Dominance
7. Schuman	-	International Politics
8. Taylor, A.J.P.	-	Struggle for Mastery over Europe
9. Vianacke, H.M.	-	A History of Far Easy in Modern Times
10. Fay	-	Origins of the World War
11. Robert, Engong	-	Europe since waterloo
12. Manazir Ahmed	-	Europe ka ltihas (in Hindi)
13. Satyaketu Vidyalankar	-	Sudurpurva ka ltihas (in Hindi)
14. Deonath Verma	-	Aungla ka ltihas (in Hindi)
15. वर्मा भगवान सिंह	–	विश्व इतिहास की प्रमुख धारायें (1871–1956)
16. शर्मा मथुरालाल एवं बघेला हेतसिंह	–	यूरोप का इतिहास (1789–1945) : एक शोध पूर्ण अध्ययन
17. अहमद लइक	–	आधुनिक विश्व का इतिहास

30-11-16 30/11/16 30-11-2016

कि.शास. कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

बी.ए.– I सेमेस्टर

विषय-इतिहास Paper Code - 10001

(भारत का इतिहास प्रारम्भ से 1206 ई. तक)

उद्देश्य :– इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राचीन भारत के इतिहास के प्रमुख राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृति पक्षों से परिचित कराना है जो कि यू.जी.सी. मानदंड़ों के अनुरूप है।

इकाई–1

1. भारतीय इतिहास से स्त्रोतों का सर्वेक्षण
2. भारत की भौगोलिक विशेषताएँ
3. प्रागैतिहासिक– पूर्व पाषाण से नवपाषाण युग तक सभ्यता एवं संस्कृति
4. हड़प्पा सभ्यता– निर्माता, प्रसार, नगर, योजना, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक संरचना

इकाई–2

1. ऋणगवैदिक काल– राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक
2. उत्तर वैदिक काल– राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक
3. महाकाव्य काल– सभ्यता एवं संस्कृति
4. ईसा पूर्व छठवीं शताब्दी का भारत तथा बौद्ध एवं जैन धर्म

इकाई–3

1. मगध साम्राज्य का उदय
2. सिकन्दर का आक्रमण और उसका प्रभाव
3. मौर्य साम्राज्य की स्थापना–चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक–अशोक के धम्म
4. मौर्यकालीन प्रशासन अर्थव्यवस्था एवं कला एवं संस्कृति

इकाई–4

1. मौर्योत्तरकाल–शुंग, कुषाण एवं सातवाहन
2. संगमयुग– साहित्य, संस्कृति
3. चौल एवं पाण्डय
4. गुपत साम्राज्य– प्रशासन, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक दशा

इकाई–5

1. पल्लव, चालुक्य, वर्धन वाकाटक, गुर्जर–प्रतिहार, पाल, सेन, राष्टकूट
2. भारत का दक्षिण पूर्व एशिया एवं श्रीलंका से सम्बन्ध
3. मोहम्मद बिन कासिमख गजनवी एवं गोरी का आक्रमण
4. प्राचीन भारत में नारी की स्थिति

संदर्भ ग्रंथ :–

1. रतिभानु सिंह नाहर – प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति
2. शांता शुक्ल – भारत का राजनीतिक इतिहास (राजपूत कालीन भारत)
3. द्विजेन्द्र नारायण एवं श्रीमाली–प्राचीन भारत
4. ओम प्रकार – प्राचीन भारत
5. बी.एन. लूनिया – प्राचीन भारतीय संस्कृति
6. एस.आर.शर्मा – प्राचीन भारत–प्रगौतिहासिक युग से 1200 ई. तक
7. K.L. Khurana - Ancient India from Earliest Time to 1206 A.D.
8. K.L. Khurana - History of India from Earliest Time to 1526 A.D.
9. Vincent Smith - Oxford History of India
10. L. Prasad - Ancient India- Indius Volley Civilization to 1200 A.D.
11. भार्गव – प्राचीन भारत

21-8-18

कि.शास. कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

बी.ए.– II सेमेस्टर

विषय-इतिहास Paper Code - 10002

विश्व का इतिहास (1453 से 1789 ई. तक)

इकाई–1	1.	सामन्तवाद का पतन एवं आधुनिक युग का प्रारम्भ
	2.	पुनर्जागरण
	3.	धर्म सुधार आन्दोलन
	4.	प्रति धर्म सुधार आन्दोलन
इकाई–2	1.	तीस वर्षीय युद्ध (1618–1648 ई.) कारण, परिणाम तथा प्रभाव
	2.	राष्ट्रीय राज्यों का उदय–स्पेन, फ्रांस
	3.	राष्ट्रीय राज्यों का उदय–इंग्लैण्ड, रूस
	4.	पोलैण्ड का विभाजन
इकाई–3	1.	आधुनिक पाश्चात्य जगत के आर्थिक आधार
	2.	वाणिज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का प्रारम्भ
	3.	औद्योगिक क्रान्ति–कारण
	4.	औद्योगि क्रान्ति के परिणाम
इकाई–4	1.	इंग्लैण्ड में गृह युद्ध : घटनाएं
	2.	इंग्लैड में गृह युद्ध : कारण एवं परिणाम
	3.	गौरव पूर्ण क्रान्ति (1688) – कारण
	4.	गौरव पूर्ण क्रान्ति (1688) परिणाम
इकाई–5	1.	लुई चतुर्दश – गृह नीति
	2.	जुई चतुर्दश– विदेश नीति
	3.	अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम
	4.	फ्रांस की क्रान्ति के कारण

संदर्भ ग्रंथ :–

1.	बी.एन. मेहता	–	अर्वाचीन यूरोपढ़
2.	पंजाबी बी.के.	–	आधुनिक विश्व की प्रमुख धारायें
3.	भगवान सिंह वर्मा	–	आधुनिक यूरोप
4.	K.L. Khurana	-	History of Modern World
5.	Khurana And Sharma	-	Modern Europe 1453-1789 A.D.

21.08.18

कि.शास. कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

बी.ए.– III सेमेस्टर

विषय-इतिहास Paper Code- 10003

(भारत का इतिहास प्रारम्भ से 1206 से 1761 ई. तक)

उद्देश्य :– इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मध्यकालीन भारत के इतिहास के प्रमुख राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पक्षों से परिचित कराना है जो कि यू.जी.सी. मानदंडों के अनुरूप है।

इकाई–1

1. सल्तनत कालीन एवं मुगलकालीन इतिहास के स्त्रोत
2. दास वंश – ऐबक, इल्तुमिश, रजिया, बलबन
3. तुगलक वंश – अलाउद्दीन खिलजी
   तुगलक वंश– मोहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक
4. तैमूर का भारत आक्रमण

इकाई–2

1. मुगल साम्राज्य की स्थापना– बाबर
   शेरशाह सूरी की प्रशासन व्यवस्था
2. अकबर की राजपूत नीति
3. मुगल शासकों की धार्मिक नीति– अकबर से औरंगजेब तक
4. राजनीतिक संस्थाएं एवं प्रशासन

इकाई–3

1. सल्तनत कालीन सामाजिक, आर्थिक दशा
2. मुगल कालीन सामाजिक, आर्थिक दशा
3. धार्मिक एवं सांस्कृतिक दशा–भक्ति आन्दोलन
4. सूफीवाद

इकाई–4

1. सल्तनत कालीन कला एवं स्थापत्य
2. मुगलकालीन कला एवं स्थापत्य
3. सल्तनतकालीन शिक्षा एवं साहित्य
4. मुगलकालीन शिक्षा एवं साहित्य

इकाई–5

1. विजय नगर राज्य–कृष्णदेव राय
2. बहमनी राज्य
3. शिवाजी–प्रशासन
4. तृतीय पानीपत युद्ध– कारण एवं परिणाम

अनुशंसित ग्रंथः–

1. श्रीवास्तव ए.एल. – भारत का इतिहास (अंग्रेजी अनुवाद)
2. श्रीवास्तव ए.एल. – दिल्ली सल्तनत (अंग्रेजी अनुवाद)
3. श्रीवास्तव ए.एल. – मुगलकालीन भारत (अंग्रेजी अनुवाद)
4. बहीबुल्लाह – भारत में मुस्लिम शासन की बुनियाद
5. मजूमदार, राय चौधरी एवं दत्त – भारत का वृहत् इतिहास खंड–2
6. पंजाबी बी.के. – भारत का इतिहास (1206–1761) म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
7. **Dey. U.N.** - **Mughal Government**
8. **Habibulla, A.D.M.** - **Foundation of Muslim Rule in India**
9. **Pandey A.B.** **Medieval India**
10. **Sarkar J.N.** **Shivaji and his Time**

21-08-18

कि.शास. कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

बी.ए.– IV सेमेस्टर

विषय–इतिहास Paper Code 10004

(विश्व का इतिहास, सन् 1789 से 1871 ई.तक)

उद्देश्य :– इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाओं के अवगत कराना है।

इकाई–1

1. फ्रांस की क्रांति–नेशनल कन्वेन्शन से आंतक का राज्य तक
2. डायरेक्टरी शासन
3. नेपोलियन बोनापार्ट का उत्थान एवं उपलब्धियां
4. नेपोलियन बोनापार्ट का पतन

इकाई–2

1. वियना कांग्रेस, यूरोप की संयुक्त व्यवस्था
2. अनुदारवाद–मैटरनिक
3. 1830 की क्रांति – कारण एवं परिणाम
4. 1848 की क्रांति– कारण एवं परिणाम

इकाई–3

1. औद्योगिक क्रांति
2. इंग्लैण्ड में उदारवाद– 1832 के सुधार
3. 1867 के सुधार
4. चार्टिस्ट आंदोलन

इकाई–4

1. नेपोलियन तृतीय की उपलब्धियां
2. पूर्वी समस्या–उदय के कारण
3. यूनान का स्वतंत्रता संग्राम
4. क्रीमिया युद्ध

इकाई–5

1. रूस– जार अलेक्जेन्डर द्वितीय
2. यूरोप में राष्ट्रवाद– इटली का एकीकरण
3. यूरोप में राष्ट्रवाद– जर्मनी का एकीकरण

संदर्भ ग्रंथः–

1. हेजन – आयुनिक यूरोप का इतिहास
2. बी.आई.पाल – आधुनिक यूरोप का इतिहास
3. Hal Fisher - A History of Europe
4. Christopher - From Reformation to Industrial Revolution
5. A.J.P. Taylor - The origins of the second war
6. David Thoylr - Europe, Nepoleon
7. पी.एन. मेहता – आधुनिक यूरोप (1989–1871)
8. दीनानाथ वर्मा – आधुनिक यूरोप का इतिहास
9. मथुरालाल वर्मा – आधुनिक यूरोप का इतिहास
10. Fisher - A History of Europe
11. दीनानाथ वर्मा एवं शिवकुमार सिंह– विश्व इतिहास का सर्वेक्षण

कि.शास. कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

बी.ए.– V सेमेस्टर

Paper Code- 10005

विषय–इतिहास

भारत का इतिहास सन् 1761 ई. से 1950 ई. तक

उद्देश्य :– इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक काल में भारत के राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

इकाई–1
1. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण – युद्ध एवं कूटनीति – कर्नाटक युद्ध
2. ब्रिटिश साम्राज्य का विसतार एवं सुदृढ़ीकरण– प्लासी एवं बक्सर
3. सहायक संधि एवं हड़प नीति (व्यपगत का सिद्धांत)
4. ब्रिटिश प्रशासन एवं सुधार – बेटिंग, लिंटन, रिपन, कर्जन

इकाई–2
1. वाणिज्यवाद – उद्योगों का पतन
2. वाणिज्यवाद – व्यापार का पतन
3. कृषि का हास एवं कृषक आन्दोलन
4. भू–राजस्व व्यवस्थाएं – स्थाई बन्दोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी

इकाई–3
1. भारतीय पुनर्जागरण – ब्रम्हा समाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज,
2. रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसायटी, अलीगढ़ आन्दोलन
3. पपाश्चात्य शिक्षा का विकास एवं प्रेस
4. विभिन्न सामाजिक वर्ग – कृषक, मजदूर, मध्यम वर्ग एवं महिलाएं

इकाई–4
1. राष्ट्रवाद का उदय एवं 1857 की क्रान्ति
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस – उदारवादी, उग्रवादी
3. क्रान्तिकारी आन्दोलन
4. गांधीवादी आन्दोलन

इकाई–5
1. साम्प्रदायिकता : उदय एवं विकास
2. सुभाषचन्द्र बोस एवं आजाद हिन्द सेना
3. भारत का संवैधानिक विकास : 1919 ई.– द्वैध शासन, 1935 – प्रान्तीय स्वायत्तता
4. भारत की स्तंत्रता तथा भारतीय संविधान की विशेषताएं।

संदर्भ ग्रंथः–

1. Sarkar and Dutt - Modern India (English and Hindi Version)
2. Singh, Gurumukh Nihal - Landmarks in Indian Constitutional Development and National Movement.
3. Agrawal R.C. - Indian Constitutional Development and National Movemnt in India
4. राधेशरण – भारत की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना और संस्कृति के मूल तत्व (आदिकाल से 1950 ई. तक) (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी का प्रकाशन)
5. मिश्रा जे.पी. – आधुनिक भारत का इतिहास
6. नागौरी एस.एल. लाल – आधुनिक भारत का इतिहास
7. ग्रोवर बी.एल. – आधुनिक भारत का इतिहास
8. दुबे सत्यनारायण – आधुनिक भारत का इतिहास

21-08-18 21/8/18 R. Bam

9. मजूमदार दत्त राय चौधरी – भारत का वृहत् इतिहास
10. जैन एम.एस. – आधुनिक भारत का इतिहास
11. सिंह प्रताप – आधुनिक भारत का सामाजिक एवंआर्थिक इतिहास
12. सिंह प्रताप – आधुनिक भारत (1858–1919)
13. सिंह प्रताप – आधुनिक भारत (1919–1950)
14. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रकाशन – आधुनिक भारत का इतिहास
15. दिवाकर ब्रज मोहन – आधुनिक भारत
16. छाबड़ा जी.एस. – आधुनिक भारत का इतिहास (तीन खण्डों में)
17. नागपाल ओभ – भारत का राष्ट्रीय आंदोलन और .....
18. सीताराम शर्मा – उन्नीसवीं सदी भारतीय धार्मिक तथा सामाजिक जागरण
19. डॉ. सीताराम जी 'श्याम' – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की रूपरेखा
20. विपिन चन्द्रा – भारत का स्वतंत्रता संग्राम
21. रामलखन शुल्क – अधुनिक भारत
22. रमेशचन्द्र दत्त – ब्रिटिश बात का आर्थिक इतिहास
23. डॉ. अयोध्यासिंह – भारत का मुक्ति संग्राम
24. डॉ. एग्नेस ठाकुर – आधुनिक भारत का इतिहास

कि.शास. कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

बी.ए.– VI सेमेस्टर

विषय-इतिहास

Paper Code-10006

विश्व इतिहास - सन् 1871 ई. से 1945 ई. तक

उद्देश्य :– इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। साथ ही अन्तर परिदृश्य का ज्ञान भी इन्हें देना है।

इकाई–1
1. फ्रांस का तृतीय गणतंत्र
2. बिस्मार्क नीति गृह एवं विदेश नीति (1871–1890 ई.)
3. कैसर विलियम द्वितीय की विदेश
4. अफ्रीका का विभाजन

इकाई–2
1. जापान का आधुनिकीकरण
2. रूस – जापान युद्ध : कारण एवं परिणाम
3. चीन की क्रांति–कारण एवं परिणाम
4. डॉ. सन–यत–सेन

इकाई–3
1. पूर्वी समस्या – बर्लिन कांग्रेस, युवा तुर्क आन्दोलन
2. बाल्कन युद्ध : कारण एवं परिणाम
3. प्रथम विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम
4. रूस की क्रान्ति 1917

इकाई–4
1. वर्साई की संधि
2. फासीवाद –मुसोलिनी
3. नाजीवाद – हिटलर
4. जापान का सैन्यवाद –तोजो

इकाई–5
1. राष्ट्रसंघ : स्थापना एवं विल्सन के 14 सूत्र
2. द्वितीय विश्वयुद्ध – कारण एवं परिणाम
3. संयुक्त राष्ट्र संघ – स्थापना एवं संगठन
4. संयुक्त राष्ट्र संघ – उपलब्धियां

अनुशंसित ग्रंथ :–

1. Grant and Temperley - Europe in the 18th century (also Hi—version)
2. Kettelby - History of the Modern Times
3. Moon - Imperalism in World Politics
4. Plamor & Parkins - International Politics
5. Parks, Hengy, Bamford - The United States of America A History
6. Panikkar K.M. - Asia and Western Dominance
7. Schuman - International politics

21.8.18 R. Banj

8. Taylor A.J.P. - Struggle for Mastery over Europe

9. Vinacke, H.M. - A History for For East in Modern Times

10. Fay - Origins of the World War

11. Robert Engong - Europe since waterloo

12. Mananzir Ahmad - Europe ka Itihas (in hindi)

13. Satyaketu Vidyalakar - Surdurpurva ka Itihas (in hindi)

14. Deonath Verma - Aungla ka Itihas (in Hindi)

15. वर्मा भगवान सिंह – विश्व इतिहास की प्रमुख धारायें (1871–1956)

16. शर्मा मथुरालाल एवं बघेला

हेतसिंह एवं माथुर कौशिक इत्यादि – यूरोप का इतिहास (1789–1945) : एक शोध पूर्ण इतिहास

18. अहमद लइक – आधुनिक विश्व का इतिहास

21.08.18

19.9.18

K.G. ARTS & SCIENCE (AUTONOMOUS) COLLEGE, RAIGARH (C.G.)

DEPARTMENT OF - ....

SYLLABUS BASED ON UGC MODEL CURRICULUM

M.A/M.Sc. Semester ~~1st~~/ 2nd/~~3rd/4th~~ 2018-19, 2019-20, 2020-2021

Scheme for theory Papers :

- The Syllabus comprise of ......16...... Papers.
- Each paper is divided in .... unit/section.
- (Note : If there is no unit or section system, please mention)
- Students will have to attempt .... question of each unit/ section.
- Thereby a total of .... question s form each paper.
- In case of No. unit/section system :
    a. Total No. Of question to be asked ..08...
    b. Total No. of question to be attempted by a student ...04.......
- If you are following any other type of question paper pattern, please menti it in detail.
- Duration of each paper for the examination purpose shall be ...THREE. Hours.
- Maximum marks 80 and 29 is pass marks in each theory paper and 20 marks for internal test (10 marks written + 10 marks seminar). Passing mark in internal test is 7 out of 20.

Title of Paper No. and Name :

Semester No ...IInd........ Paper No. 1 to 4

1. Historiography, concept Methods & TOOLS
2. Twentieth century's world PART. II
3. History of chhattisgarh (1854 - 1947 A.D.)
4. Social & Economic History of India
5. ....

Scheme For the Practical Examination :

There will be .... practical examination paper in each semester.
Each practical examination will be of .... marks each. Qualifying marks 36%
Practical No. and the name of the practical paper will be as below.
Practical No. .... Title ....
Practical No .... Title ....
Duration ....

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सेमेस्टर – II, प्रश्नपत्र - I PAPER CODE 1005

इतिहास लेखन की अवधारणा, पद्धतियां एंव साधन

(HISTORIOGRAPHY, CONCEPT, METHODS AND TOOLS)

Time: 3 Hours **(PART - II)** **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. इतिहास के उपागम –
   - अ धर्म संबंधी
   - ब प्राच्यवादी
   - स साम्राज्यवादी एवं राष्ट्रवादी
   - द मार्क्सवादी
   - इ उपाश्रयी (सब-आलटर्न) एवं उत्तर आधुनिक
2. इतिहास के वृहद सिद्धांत –
   - अ युग चक्रवादी सिद्धांत
   - ब ऐतिहासिक भौतिकवादी
   - स सामाजिक
   - द तुलनात्मक
   - इ परिस्थितिकीय
   - फ वैश्वीय
   - ज परिस्थितिकीय
   - ह इतिहास की उत्तर आधुनिक समालोचनाएं
3. भारतीय इतिहास की विषय वस्तु –
   - अ आर्थिक, श्रमिक एवं कृषक वर्ग।
   - ब वर्ण, जाति, जनजाति एंव लिंग।
   - स धर्म एवं संस्कृति।
   - द पर्यावरण
   - इ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
4. इतिहास के प्रमुख वाद-विवाद
   - अ प्राचीन भारतीय इतिहास के कुछ विवाद
   - ब मध्यकालीन भारतीय इतिहास के कुछ विवाद
   - स आधुनिक भारतीय इतिहास के कुछ विवाद
   - द इतिहास के कुछ अन्य विवाद

संदर्भ ग्रंथ :-

1. R.K. Majumdar & A.N. Shrivastav - Historiography
2. K.L. Khurana - इतिहास इर्शन
3. परमानंद सिंह - इतिहास दर्शन
4. गोविन्द्र चंद्र पाण्डेय - इतिहास स्वरुप एवं सिद्धांत
5. झारखंड चौबे - इतिहास दर्शन
6. मानिकलाल गुप्ता - इतिहास स्वरुप, अवधारणाएं एवं उपयोगिता
7. ई.एच.कार - इतिहास क्या है?
8. बुद्ध प्रकाश - इतिहास दर्शन

R. Bazi2

21-08-18

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सेमेस्टर – II, प्रश्नपत्र - II

PAPER Code - 1006

20वीं शताब्दी का विश्व

(TWENTIETH CENTURY'S WORLD)

Time: 3 Hours **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. द्वितीय विश्व युद्ध एवं नई राजनीतिक व्यवस्था :-
   - अ द्वितीय विश्व युद्ध - कारण एवं परिणाम
   - ब राष्ट्रवादी आंदोलन तथा उपनिवेशीकरण
   - स चीन की साम्यवादी क्रांति और विश्व पर उसका प्रभाव
2. शीत युद्ध एवं उसका प्रभाव -
   - अ शीत युद्ध - कारण, विकास, प्रभाव
   - ब गुट निरपेक्ष आंदोलन एवं तृतीय विश्व
   - स संयुक्त राष्ट्र संघ एवं विश्व शांति की अवधारणा
   - द क्षेत्रीय तनाव - कश्मीर, फिलीस्तीन, क्यूबा, कोरिया, वियतनाम।
3. आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति का युग -
   - अ उद्योग, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना एवं संचार
   - ब सांस्कृतिक क्रांति, मानव अधिकार आंदोलन
4. समाजवाद का विघटन और शीत युद्ध की समाप्ति -
   - अ समाजवाद का विघटन
   - ब एक ध्रुवीय एवं द्वि ध्रुवीय प्रतिमान
   - स भूमण्डलीकरण

संदर्भ ग्रंथ :-

1. दीनानाथ वर्मा - आधुनिक विश्व का इतिहास
2. वी.पी. राव - हिस्ट्री आफ वर्ल्ड
3. जगदीश चन्द्र झा - यूरोप का इतिहास
4. Lipson - Nintinth's & Twentiet's Century's Europe
5. E.H. Kar - Europe between two World Wars
6. ए.एल. पंचोली - विश्व का इतिहास
7. एम.एल. गुप्त - विश्व का इतिहास 1789-1945

21-08-18

R. Barik.

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सेमेस्टर – II, प्रश्नपत्र - III

छत्तीसगढ़ का इतिहास PAPER CODE - 1007

(HISTORY OF CHHATTISGARH)

Time: 3 Hours **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. ब्रिटिश काल :
   1. ब्रिटिश शासन की स्थापना
   2. ब्रिटिश नियंत्रण एवं नीति।
   3. ब्रिटिश-कालीन प्रशासनिक व्यवस्था (1854 से 1947)
2. स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास :
   1. 1857 का विप्लव एवं छत्तीसगढ़ में राजनीतिक-जागरण।
   2. राष्ट्रीय-आंदोलन का विकास (तिलक युग) 1905 से 1920 तक।
   3. राष्ट्रीय-आंदोलन, स्वराज-दल, सविनय-अवज्ञा-आंदोलन, व्यक्तिगत-सत्याग्रह-आंदोलन, रायपुर षड़यंत्र केस, भारत-छोड़ो-आंदोलन।
   4. किसान, मजदूर, एवं आदिवासी-आंदोलन।
   5. स्वतंत्रता प्राप्ति एवं रियासतों का विलीनीकरण।
3. छत्तीसगढ़ का सांस्कृतिक इतिहास :
   1. सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति।
   2. धार्मिक आस्थाएं-वैष्णव, शैव, शाक्त, जैन, बौद्ध, कबीर-पंथ, सतनाम-पंथ एवं अन्य
   3. शैल-चित्रकला एवं वास्तुकला।
   4. लोक-संस्कृति, परम्परा, साहित्य एवं भाषा।
   5. छत्तीसगढ़ के सपूत।
4. छत्तीसगढ़ के प्रागैतिहासिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल :
   1. चित्रित शैलाश्रय-सिंघनपुर, कबरा पहाड़, बसनाझर, ओंगना (रायगढ़)
   2. प्राचीन अवशेष-रामगढ़ की पहाड़ियां (सरगुजा), सीताबोंगरा, लक्ष्मण गुफा, वशिष्ठ गुफा, बारसूर (बस्तर)
   3. मंदिर देवालय- मल्हार, सिरपुर, राजिम, रतनपुर, अड़भार, पुजारीपाली, भोरमदेव, खरौद

संदर्भ ग्रंथ :-

1. प्यारेलाल गुप्त - प्राचीन छत्तीसगढ़
2. भगवान सिंह वर्मा - छत्तीसगढ़ का इतिहास
3. अशोक शुक्ला - छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय आंदोलन एवं विकास
4. रमेन्द्र नाथ मिश्र - ब्रिटिश कालीन छ.ग. का प्रशासनिक इतिहास
5. मदनलाल गुप्ता - छत्तीसगढ़ दिग्दर्शन
6. सुरेश शुक्ला - छ.ग. का समग्र इतिहास
7. रमेन्द्रनाथ मिश्र एवं शांता शुक्ला - छ.ग. का राजनैतिक इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन

R. Barik 21.08.18

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सेमेस्टर – II, प्रश्नपत्र - IV PAPERCODE - 1008

भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

(SOCIAL & ECONOMIC HISTORY OF INDIA)

Time: 3 Hours **(Specialisation Group – Modern India)** **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. सामाजिक नीतियां एवं सामाजिक परिवर्तन -
   अ. परिवर्तन की अवधारणा।
   ब. सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्तरदायी तत्व, भारत में सामाजिक परिवर्तन (1757-1857)
   स. भारतीय समाज के प्रति ब्रिटिश दृष्टिकोण, पूर्वीय एवान्जेलिकल दृष्टिकोण।
   द. उपयोगितावादी दृष्टिकोण।
   इ. शिक्षा - स्वदेशी एवं आधुनिक सुधार।
2. सामाजिक सुधार एवं उदीयमान सामाजिक वर्ग -
   अ. सुधार आंदोलन का स्वरुप।
   ब. भारत में नवीन वर्गों के उदय के कारण।
   स. नये सामाजिक वर्गों की विशेषताएं एवं परिणाम।
3. आर्थिक संगठन-परिवर्तन एवं निरंतरता -
   अ. ग्रामीण अर्थव्यवस्था, नवीन भू-राजस्व व्यवस्था।
   ब. कृषि का व्यवसायीकरण, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, वित्तीय संस्थाएं।
   स. नगरीय अर्थव्यवस्था-कलात्मक एवं औद्योगिक उत्पादन, अनौद्योगीकरण, क्षेत्रीय विभिन्ताएं
   द. आंतरिक बाजार का उत्थान एवं नगरीय केन्द्र, डाक-तार एवं संचार, यातायात, रेल्वे आदि
4. औपनिवेशिक शासन के प्रति प्रतिरोध -
   अ. 1857 से पूर्व कृषक, आदिवासी, एवं संस्कृतिक प्रतिरोध
   ब. 1857 का विद्रोह-स्वरुप, पृवित्त, कारण, कार्यक्रम, विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व, जन भागीदारी, अंग्रेजों द्वारा दमन एवं प्रतिक्रिया।
   स. विद्रोह का परिणाम एवं महत्व।

संदर्भित पुस्तके :-

1. सुमित सरकार - आधुनिक भारत
2. बी.डी. महाजन - आधुनिक भारत
3. रोमिला थापर - भारत का इतिहास
4. रामलखन नागोरी- आधुनिक भारत
5. एस.एल.नागोरी - आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
6. सरोज बाला - आधुनिक भारत का आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास
7. S.P. Nanda - History of India
8. Sumit Sarkar - Modern of India
9. P.N. Chopra, B.N, Puri – A Social Cultural and Economic History of India
   M.N. Das (Vol. I & II)
10. Tirthakar Roy - The Economic History of India 1857-1947

21-08-18

K.G. ARTS & SCIENCE (AUTONOMOUS) COLLEGE, RAIGARH (C.G.)

DEPARTMENT OF - HISTORY

SYLLABUS BASED ON UGC MODEL CURRICULUM

M.A/M.Sc. Semester ~~1st/2nd~~/3rd/~~4th~~ 2018-19, 2019-20, 2020-2021

Scheme for theory Papers :

- The Syllabus comprise of ..16.. Papers.
- Each paper is divided in ..... unit/section.
- (Note : If there is no unit or section system, please mention)
- Students will have to attempt ..... question of each unit/ section.
- Thereby a total of ..... question s form each paper.
- In case of No. unit/section system :
    a. Total No. Of question to be asked ..08..
    b. Total No. of question to be attempted by a student ..04..
- If you are following any other type of question paper pattern, please mentic it in detail.
- Duration of each paper for the examination purpose shall be THREE Hours.
- Maximum marks 80 and 29 is pass marks in each theory paper and 20 marks for internal test (10 marks written + 10 marks seminar). Passing mark in internal test is 7 out of 20.

Title of Paper No. and Name :

Semester No ..III rd.. Paper No. 1 to 4

1. State in India (ANCIENT INDIA)
2. History of India (1858–1964 A.D) (POLITICAL
3. ..... AND ADMINISTRATIVE
4. ECONOMIC HISTORY OF INDIA (1757–1947 A.D) PART-I
5. Women in Indian History (PART-I)

Scheme For the Practical Examination :

There will be ..... practical examination paper in each semester.
Each practical examination will be of ..... marks each. Qualifying marks 36%
Practical No. and the name of the practical paper will be as below.
Practical No. ..... Title .....
Practical No ..... Title .....
Duration .....

21-08-18

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सत्र 2011-12 एवं 2012-13

सेमेस्टर - III, प्रश्नपत्र - I

PAPERCode - 1009

भारत में राज्य

(प्राचीन भारत)

STATE IN INDIA

Time : 3 Hours **(ANCIENT INDIA)** **Max. Marks:80**

Min. Marks:29

---

1. राज्य की उत्पत्ति -

अ प्राचीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत

ब प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति एवं राजा के अधिकार एवं कर्तव्य

स आदिकालीन राज्य, हड़प्पा कालीन प्रशासनिक स्वरुप एवं संभावित राजधानियां

द आर्यों की प्रारंभिक राजनैतिक अवस्था, उत्तर वैदिक कालीन राज्य

इ बुद्धकालीन सीमांकित राज्य-सोलह महाजनपद, राजतंत्रीय एवं गणतंत्रीय व्यवस्था।

2. मौर्य समाज -

अ मगध का उत्कर्ष, मौर्य साम्राज्य की स्थापना

ब मौर्यकालीन समाज एवं अर्थव्यवस्था

स मौर्यकालीन प्रशासन

3. गुप्त साम्राज्य -

अ मौर्योत्तर राज्य - शुंग, सातवाहन एवं कुषाण साम्राज्य

ब गुप्त प्रशासन, कर प्रणाली

स सामाजिक जीवन एवं अर्थव्यवस्था

द गुप्तोत्तर राज्य - वर्धन वंश (हर्षवर्धन) प्रशासन एवं संस्कृति

4. राजपूत राज्य -

अ राजपूतों की उत्पत्ति -

ब उत्तर भारत के प्रमुख राजपूत राज्य - गुर्जर,प्रतिहर, चौहान, परमार, कलचुरि एवं चंदेल वंश

स राजपूतकालीन राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन

द सुदूर दक्षिण के प्रमुख राज्य - राजनैतिक एवं सांस्कृतिक विकास, पल्लव, चालुक्तय एवं राष्ट्रकूद राज्य, चोल प्रशासन

5. अरबों एवं तुर्कों का आगमन -

अ अरबों के साथ आरंभिक सम्पर्क - सिन्ध पर अरब आक्रमण

ब भारत में तुर्कों का आगमन - महमूद गजनबी

स मुहम्मद गौरी - आक्रमण के कारण एवं परिणाम

अनुशंसित ग्रंथ :-

1. भारत मं राज्य - डॉ. एस.एल. वरे
2. भारतीय इतिहास में राज्य व्यवस्था - अमर सिंह उद्दे
3. हिन्दू राज्य व्यवस्था का इतिहास - उपेन्द्र नाथ घोषाल
4. प्राचीन भारत का इतिहास - झा एवं श्रीमाली
5. भारत का वृहत् इतिहास - चौधरी, मजूमदार एवं दत्त

6. प्राचीन भारत का इतिहास, सामाजिक एवं राजनीतिक, - आर.एस. शर्मा
7. प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास - विमल चंद्र पाण्डेय
8. वंश से राज्य तक - रोमिला थापर
9. प्राचीन भारत का इतिहास - श्रीनेत्र पाण्डेय
10. राजस्थान के इतिहास की रुपरेखा - डॉ. हेतसिंह बघेला
11. राजस्थान का सामाजिक सांस्कृतिक इतिहास - ईद मोहम्मद
12. राजस्थान का इतिहास - कर्नल जेम्स टॉड
13. विचारों का इतिहास - डॉ. ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव
14. दक्षिण भारत का इतिहास - नीलकंठ शास्त्री
15. प्राचीन भारतीय शासन पद्धति - प्रो. अनंत सदाशिव अल्लेकर
16. प्रागैतिहासिक मानव और संस्कृतियां - डॉ. श्रीराम गोयल
17. प्राचीन भारत - रामशरण शर्मा
18. प्राचीन भारत का राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास - आर.एस. शर्मा
19. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता- दामोदर धर्मानंद कोसंबी
20. भारतीय समाज और संस्कृति - एस.एल. वरे

R. Bansal

21/8/18 21/8/18

21.8.18

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सत्र 2011-12 एवं 2012-13

सेमेस्टर - III, प्रश्नपत्र - II PAPER CODE-1010

भारत का इतिहास - 1858 ई. से 1964 ई.तक

(राजनैतिक एवं प्रशासनिक)

HISTORY OF INDIA 1858 TO 1964 A.D.

Time : 3 Hours **(POLITICAL AND ADMINISTRATIVE)** **Max. Marks:80**

(SPECIALISATION GROUP – MODERN INDIA) **Min. Marks:29**

---

1. साम्राज्यवादी नियंत्रण की नीतियां -

अ भारतीय प्रशासन पर ब्रिटिश सरकार और उसका नियंत्रण

ब केन्द्रीय

स प्रान्तीय

द जिला

इ 1909 के अधिनियम, 1919 का अधिनियम, 1935 का अधिनियम

2. ब्रिटिश सरकार के देशी राज्यों के साथ संबंध -

अ देशी राज्यों से संबंध

ब संबंधों में परिवर्तन

स राज्यों के प्रति, नीति का विकास

द एकीकरण और विलय

3. वैदेशिक संबंधों का सिद्धांत एवं नीतियां -

अ सिद्धांतों एवं नीतियों का अनुकरण

ब कुशल अकर्मण्यता की नीति एवं गुण दोष

स यंग हसबैण्ड मिशन के संदर्भ में नीति

4. भारत और उसके पड़ोसी देश -

अ ईरान और फारस से संबंध

ब अफगान से संबंध

स नेपाल से संबंध

द तिब्बत से संबंध

इ बर्मा से संबंध

5. राष्ट्रीय आन्दोलन -

अ भारतीय राष्ट्रवाद के प्रति दृष्टिकोण एवं अवधारणात्मक विवाद

ब संगठित राष्ट्रवाद

स 1919 ई. तक राष्ट्रीय आंदोलन की प्रवृत्ति

द गांधीवाद आंदोलन - प्रकृति, कार्यक्रम, सामाजिक संरचना सीमायें और चुनौतियां

ई क्रांतिकारी और वामपंथी आंदोलन

फ साम्प्रदायिक राजनीति

ज सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिन्द फौज

6. स्वाधीन भारत -

अ नये भारत की परिकल्पनाएं

ब देश का विभाजन

स देशी रियासतों का विलीनीकरण
द भूमि संबंधी विवाद और औद्योगिक नीतियां
इ भारतीय गणतंत्र का संविधान
फ भारत की विदेश नीति

अनुसंतिशत गंथ –

1.	एल.पी. शर्मा	– आधुनिक भारत
2.	रजनी पान दत्त	– इंडिया टुडे
3.	प्रताप सिंह	– आधुनिक भारत का इतिहास
4.	एम.एस. जैन	– आधुनिक भारत
5.	सुमित सरकार	– आधुनिक भारत
6.	बी.एल. ग्रोवर एवं यशपाल	– आधुनिक भारत का विकास
7.	एम्नेश ठाकुर	– भारत का इतिहास 1757-1857
8.	वीरकेश्वर प्रसाद सिंह	– भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास
9.	एस.अर. शर्मा	– मेंकिंग आफ मार्डन इंडिया
10.	बी.बी. मिश्र	– सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन आफ ईस्ट इंडिया कंपनी
11.	विपिन चंद्रा	– आजादी के बाद का भारत
12.	पुखराज जैन	– भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास
13.	व्ही.डी.महाजन	– मार्डन इण्डियन हिस्ट्री
14.	एस. चांद	– मार्डन इण्डियन हिस्ट्री
15.	विपिन चंद्र	– भारत का स्वतंत्रता संघर्ष

R. Bam2r

21/8/18 21/8/18

21-8-18

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सत्र 2011-12 एवं 2012-13

सेमेस्टर - III, प्रश्नपत्र - III PAPER code - 1011

भारत का आर्थिक इतिहास - 1757 ई. से 1947 ई. तक

(ECONOMIC HISTORY OF INDIA 1757 TO 1947 A.D.

Time : 3 Hours **PART I** **Max. Marks:80**

Min. Marks:29

---

1. प्रस्तावना -
   - अ भारतीय आर्थिक इतिहास के मुद्दे एवं समस्याएं, विभिन्न दृष्टिकोण एवं उनकी सीमाएं।
   - ब ब्रिटिश भारत के आर्थिक इतिहास के स्त्रोत
2. मध्य अठारहवीं सदी में भारतीय अर्थ व्यवस्था -
   - अ अर्थव्यवस्था की प्रकृति एवं संरचना, ग्रामीण एवं नगरीय
   - ब भूमि संबंधी एवं गैर भूमि संबंधी उत्पादन, तकनीकी एवं उत्पादन पद्धति
   - स व्यापार एवं स्वदेशी। स्थानीय बैंकिंग
   - द पूर्व-औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में पूंजीगत परिवर्तन पर (मतभेद) विवाद
3. औपनिवेशक अर्थव्यवस्था का प्रारंभिक चरण -
   - अ वाणिज्यवाद एवं भारत में यूरोपीय आर्थिक हित, ईस्ट इंडिया कंपनी एवं बंगाल में उसका शासन
   - ब धन का प्रारंभिक उत्सर्ग (प्रवाह) एवं इसके तंत्र, मात्रा एवं परिणाम
   - स बाह्य बाजार के लिये भारतीय विनिर्माता - आंतरिक वाणिज्य के प्रश्न पर मनभेद/विवाद।
4. भूमि संबंधी बंदोबस्त एवं भूमि संबंधी उत्पादन -
   - अ भूमि संबंधी अवस्थाएं - क्षेत्रीय विभिन्नताएं
   - ब स्थायी बंदोबस्त - उद्देश्य परिणाम
   - स रैयतवाड़ी बंदोबस्त एवं महालवाड़ी बंदोबस्त
   - द सामाजिक बंदोबस्त के परिणाम
   - इ निर्यात फसलों की कृषि में वृद्धि, कृषि संबंधी आयात-निर्यात आदि
5. परिस्थिति परिवर्तन एवं ग्रामीण समाज-
   औपनिवेशक राज्यों के वनों पर बढ़त, नियंत्रण की मंशा विशेष के संदर्भ में
6. पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग एवं निःऔद्योगिकीकरण के प्रश्न -
   - अ कारीगर एवं हस्तकला उत्पादन - पृष्ठ भूमि
   - ब औद्योगिक पूंजीवाद एवं अंग्रेजी कपड़े एवं सूतों का निर्यात
   - स निःऔद्योगिकीकरण पर विवाद/मतभेद - क्षेत्रीय विभिन्नताएं
   - द औपनिवेशक वाद में हस्तकला उद्योग में संक्रमण?
   - इ हस्तकला उद्योग में पूंजी एवं श्रम/श्रमिक

अनुसंशित ग्रंथ :-

1. भारत का आर्थिक इतिहास - डॉ. एग्नेस ठाकुर
2. भारत का आर्थिक राष्ट्रवाद का उद्भव एवं विकास - डॉ. विपिन चंद्र

3.	आधुनिक भारत का राजनैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास	- डॉ. कालूराम शर्मा एवं डॉ. प्रकाश व्यास
4.	आधुनिक भारत	- प्रताप सिंह
5.	भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास	- चोपड़ा, पुरी, दास
6.	आधुनिक भारत का जन-जीवन एवं संस्कृति	- बी.एन. लुणिया
7.	आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास	- सब्यसाची भट्टाचार्य
8.	आधुनिक भारत	- सुमित सरकार
9.	आधुनिक भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास	- प्रताप सिंह/एच.जे.मंगलानी
10.	भारत में ब्रिटिश साम्राज्य	- बी.एन. लुणिया
11.	भारत का इतिहास	- डॉ. अर्मिला/प्रकाश मिश्रा
12.	भारत का अर्थिक इतिहास	- अर.सी.दत्त
13.	मेकिंग ऑफ मार्डन इण्डिया	- एस.आर. शर्मा
14.	मार्डन इण्डियन हिस्ट्री	- व्ही.डी.महाजन
15.	मार्डन इण्डियन हिस्ट्री	- एस.चांद

21/8/18

21/8/18

21-8-18

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान स्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सत्र 2011-12 एवं 2012-13

सेमेस्टर - III, प्रश्नपत्र - IV PAPER code - 1012

भारतीय इतिहास में नारी

WOMEN IN INDIAN HISTORY

Time : 3 Hours **(PART-I)** **Max. Marks:80**

Min. Marks:29

---

1. 1. नारी अध्ययन संबंधी स्त्रोत - अभिलेखागारीय स्त्रोत व गैर अभिलेखगारीय स्त्रोत
   2. नारी अध्ययन की विचारधारायें - उदारवादी, उग्रवादी
   3. नारी अध्ययन की विचारधारायें - समाजवादी, मार्क्सवादी, मनोवैज्ञनिक
2. 4. विभिन्न धर्मों में महिलाओं की स्थिति - हिन्दू धर्म
   5. बौद्ध व जैन धर्म में
   6. इस्लाम धर्म में महिलाओं की स्थिति
   7. सिक्ख धर्म में महिलाओं की स्थिति
3. 8. महिलाओं की कानूनी स्थिति - प्राचीन भारत में
   9. महिलाओं की कानूनी स्थिति - मध्यकालीन भारत में
   10. महिलाओं के संपत्ति संबंधी अधिकार (सामाजिक अधिकार)
   11. महिला संगठन - बीसवीं शताब्दी के संदर्भ में
4. 12. स्वाधीनता आंदोलन व महिलाएं - क्रांतिकारी आंदोलन
   13. गांधीवाद आंदोलन व महिलाएं
   14. नारी मुक्ति आंदोलन
   15. स्वांतत्रोत्तर भारत में महिला एवं राजनीति - पंचायत से पार्लियामेंट

अनुसंशित ग्रंथ :-

1. डॉ. के. शरण - भारतीय इतिहास में नारी
2. डॉ. अंबिका पारीक - प्राचीन भारत में नारी
3. वृन्दा कारात - भारतीय नारी - संघर्ष एवं मुक्ति
4. के.सी. श्रीवास्तव - भारत का इतिहास तथा संस्कृति
5. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (प्राचीन)
6. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (मध्यकालीन भाग 1 एवं 2)
7. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (आधुनिक)
8. एल.पी. शर्मा - मध्यकालीन भारत
9. एल.पी. शर्मा - प्राचीन भारत
10. बी.एल. ग्रोवर यशपाल - आधुनिक भारत का इतिहास
11. विपिन चंद्र - आजादी के बाद भारत
12. हरिशचंद्र शर्मा - मध्यकालीन भारत
13. विपिन चंद्र - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

R. Banks 21/8/18 21-8-18 21/8/18

K.G. ARTS & SCIENCE (AUTONOMOUS) COLLEGE, RAIGARH (C.G.

DEPARTMENT OF - HISTORY

SYLLABUS BASED ON UGC MODEL CURRICULUM

M.A/M.Sc. Semester ~~1st/2nd/3rd~~/4th 2018-19, 2019-20, 2020-2021

Scheme for theory Papers :

- The Syllabus comprise of ....16.... Papers.
- Each paper is divided in ..... unit/section.
- (Note : If there is no unit or section system, please mention)
- Students will have to attempt ..... question of each unit/ section.
- Thereby a total of ..... question s form each paper.
- In case of No. unit/section system :
  a. Total No. Of question to be asked ....08..
  b. Total No. of question to be attempted by a student ....04.....
- If you are following any other type of question paper pattern, please menti it in detail.
- Duration of each paper for the examination purpose shall be ....THREE.... Hours.
- Maximum marks 80 and 29 is pass marks in each theory paper and 20 marks for internal test (10 marks written + 10 marks seminar). Passing mark in internal test is 7 out of 20.

Title of Paper No. and Name :

Semester No ....IV..... Paper No. 1 to 4

1. State in India (Medieval India)
2. History of India (1858-1964 A.D.)
3. (Social and cultural)
4. ECONOMIC HISTORY OF INDIA (1757-1947 A.D.
5. Women in Indian History (Part-II)

Scheme For the Practical Examination : (PART. II)

There will be ..... practical examination paper in each semester.
Each practical examination will be of ..... marks each. Qualifying marks 36%
Practical No. and the name of the practical paper will be as below.
Practical No. ..... Title .....
Practical No ..... Title .....
Duration .....

21-8-18

कि.शास. कला एवं विज्ञान श्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सत्र 21011-12 एवं 2012-13

सेमेस्टर-IV, प्रश्न पत्र -I

PAPER code - 1013

भारत में राज्य

(मध्यकालीन भारत)

(STATE IN INDIA)

Time: 3 Hours **(MEDIEVAL INDIA)** **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. दिल्ली सल्तनत -
   - अ मध्यकालीन भारतीय राज्यों के इतिहास जानने के साधन (स्त्रोत)
   - ब दिल्ली के सुल्तानों के अधीन राज्यों का स्वरुप एवं कार्य
   - स सल्तनत के इस्लामी राज्य सिद्धांतत (राजत्व का सिद्धांत
   - द प्रशासनिक व्यवस्था
   - इ समाज एवं संस्कृति
2. विजयनगर राज्य -
   - अ उत्पत्ति, संरचना एवं प्रकृति
   - ब प्रशासन - केन्द्रीय, प्रान्तीय एवं स्थानीय
   - स भू-राजस्व व्यवस्था
   - द सामाजिक अर्थिक एवं धार्मिक जीवन
3. मुगल साम्राज्य -
   - अ मुगल साम्राज्य की स्थापना
   - ब मुगल राज्य के राजत्व का सिद्धांत
   - स मुगल प्रशासन एवं संस्थाएं - केन्द्रीय, प्रांतीय एवं स्थानीय
   - द भू-राजस्व प्रणाली, मनसबदारी प्रथा, सैन्य व्यवस्था एवं न्याय प्रणाली
4. मराठा एवं सिक्ख राज्य -

अ शिवाजी के अधीनस्थ मराठा प्रशासन - (शिवाजी का शासन प्रबंध) केन्द्रीय शासन, अष्ट प्रधान, राजस्व व्यवस्था, सैन्य संगठन, न्याय व्यवस्था, स्थानीय शासन - जिले एवं परगने।

ब महाराजा रणजीत सिंह के अधीनस्त सिक्ख प्रशासन - केन्द्रीय एवं प्रांतीय सरकारें, न्याय व्यवस्था, सैन्य प्रशासन, भू-राजस्व प्रणाली।

स औपनिवेशक राज्य का प्रारंभ - भारत में यूरोपीय जातियों का आगमन, उनके व्यापारिक हित एंव पारस्परिक प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजों की सफलता एवं औपनिवेशक राज्य की स्थापना।

अनुशंसित ग्रंथः-

1. भारत में राज्य - डॉ. एस.एल.वारे
2. भारतीय इतिहास में राज्य व्यवस्था - अमर सिंह उद्दे
3. विचारों का इतिहास - डॉ.बी.के. श्रीवास्तव
4. मध्यकालीन भारत - अवध बिहारी पाण्डेय
5. भारत का इतिहास (1000 से 1707ई. तक) - आर्शीवादी लाल श्रीवास्तव
6. मध्यकालीन भारत, आधुनिक भारत - व्ही.डी.महाजन
7. भारत में अंग्रेजी राज्य - सुंदर लाल

21/8/18 21-8-18

8. मध्यकालीन भारत - मथुरा लाल शर्मा
9. पूर्व मध्यकालीन भारत कर राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास - बी.एन. लुणियां
10. भारत में आर्थिक राष्ट्रीयवाद उद्भव एवं विकार - विपिन चंद्र
11. आधुनिक भारत - सुमित सरकार/विपिन चंद्र
12. संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर
13. भारत का वृहत् इतिहास - रामचौधरी, मजूमदार एवं दत्त
14. मध्यकालीन इतिहास लेखन - डॉ. हरिशंकर
15. मराठों का इतिहास - दिनेश चंद्र भारद्वाज
16. मराठों का इतिहास - ग्रांट डफ
17. मध्यकालीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति - दिनेश चंद्र भारद्वाज
18. भारतीय समाज और संस्कृति - एस.एल.वरे

21/8/18

R. Bam

21-8-18

21/8/18

कि.शास. कला एवं विज्ञान श्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सत्र 21011-12 एवं 2012-13

सेमेस्टर-IV, प्रश्न पत्र -II PAPER Code - 1014

भारत का इतिहास - 1858 ई.से 1964 ई. तक

(सामाजिक एवं सांस्कृतिक)

HISTORY OF INDIA 1858 to 1964 A.D.

(SOCIAL AND CULTURAL)

Time: 3 Hours **(SPECIALISATION GROUP – MODERN INDIA)** **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. सामाजिक संरचना -
   - अ विशेष जन समूह - जनजातियां, अपराधी जनजातियों एवं जातियों का उदय।
   - ब वर्ग
   - स समुदाय
2. औपनिवेशक हस्तक्षेप एवं सामाजिक परिवर्तन -
   - अ पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव
   - ब भारतीय समाज में परिवर्तन
3. सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन -
   - अ आंदोलन की पृष्ठभूमि
   - ब आर्य समाज
   - स प्रार्थना समाज
   - द थियोसोफिकल सोसायटी
   - इ रामकृष्ण मिशन
4. अलीगढ आंदोलन -
   - अ उद्देश्य
   - ब आंदोलन के कारण
   - स आंदोलन के परिणाम
5. जातीय आंदोलन अथवा जाति प्रथा के विरुद्ध आंदोलन -
   - अ हरिजन तथा पिछड़ी जातियों का विकास
   - ब अस्पृश्यता अथवा अछूतप्रथा
   - स हरिजनोद्धार तथा दलित वर्ग की उन्नति के प्रयास
6. ब्रिटिश काल में नारी उत्थानप के प्रयास -
   - अ नारी की दशा?
   - ब सामाजिक अवस्था सुधारने के प्रयत्न
   - स नारी स्वतंत्रता के लिये किये गये प्रयत्न
7. भारतीय समाज में मध्यम वर्ग का उदय -
   - अ भारतीय समाज की दशा
   - ब मध्यम वर्ग के उदय के कारण
   - स भारतीय समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव
   - द देश की अर्थव्यवस्था में किये कार्यों का मूल्यांकन

21-08.18 21/8/18 R. Bar

8. परम्परा एवं आधुनिकता -

(भारतीय समाज में आधुनिकता का समावेश)

- अ राजनैतिक क्षेत्र में
- ब आर्थिक क्षेत्र में
- स सामाजिक क्षेत्र में
- द शैक्षणिक क्षेत्र में
- इ वैज्ञानिक क्षेत्र में
- फ सांस्कृतिक क्षेत्र में

9. भारत में शिक्षा का विकास -

- अ 1858 से 1882 तक
- ब 1882 से 1905 तक
- स 1905 से 1919 तक
- द 1919 से 1964 तक

10. समाचार पत्रों का विकास -

- अ ब्रिटिश काल में समाचार पत्रों का आरंभ
- ब समाचार पत्रों का विकास
- स पंजीकरण एवं दमन

11. स्वास्थ्य एवं विज्ञान और तकनीकि विकास -

- अ स्वास्थ्य सुविधाएं एवं समस्या
- ब विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास

अनुशंसित ग्रंथ :-

1. आधुनिक भारत का विकास - बी.एल.ग्रोवर तथा यशपाल
2. आधुनिक भारत - एल.पी. शर्मा
3. मेकिंग आफ मार्डन इण्डिया - एस.आर. शर्मा
4. भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि - ए.आर. देसाई
5. भारत का आर्थिक इतिहास - आर.सी. दत्त
6. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास 1857-1947 - विपिन चंद्र
7. आधुनिक भारत - सुमित सरकार
8. आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक इतिहास - प्रताप सिंह
9. आधुनिक भारत (3 खंड) - प्रताप सिंह
10. भारतीय संस्कृति का विकास - डॉ. हेतसिंह बघेला
11. भारतीय समाज एवं संस्कृति - एस.एल. वरे
12. भारतीय सभ्यता एंव संस्कृति का इतिहास - एल.पी. वैश्य
13. भारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास - बी.एन. लुणियां
14. आधुनिक भारत का राज. एवं सांस्कृतिक इतिहास - ए.के मित्तल
15. भारत में ब्रिटिश साम्राज्य - बी.एन. लुणियां
16. भारत का इतिहास - डॉ. उर्मिला प्रकाश मिश्रा

21/8/18

21-8-18

कि.शास. कला एवं विज्ञान श्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सत्र 21011-12 एवं 2012-13

सेमेस्टर-IV, प्रश्न पत्र -II

भारत का इतिहास - 1757 ई.से ~~1974~~ ई. तक

(भाग 2)

ECONOMIC HISTORY OF INDIA A.D. 1757 TO 1947

Time: 3 Hours **(PART – II)** **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. रेल्वे एवं भारतीय अर्थव्यवस्था -
   - अ आर्थिक एवं राजनीतिक अनिवार्यतता (बाध्यताएं)
   - ब भारतीय बाजार का एकीकरण एवं अधीनस्थता
   - स भूमि संबंधी उत्पादन कर कच्चेमाल के निर्यात पर प्रभाव - कृषि का व्यवसायीकरण
   - द आकाल एवं ब्रिटिश नीति, राष्ट्रवादी आलोचना।
2. वृहद उद्योग -
   - अ आधुनिक उद्योग के उद्भव से पहले की अवस्था।
   - ब भारत में पूंजीगत विनियोग - स्थानीय एवं ब्रिटिश परिणाम।
   - स 1914 के पूर्व की अवस्था में आधुनिक उद्योग - प्रकृति, उद्योग, कपास, जूट, लौह, स्टील एवं अन्य विकास की बाधाएं, राष्ट्रवादी आलोचनाएं प्रथम विश्व युद्ध की अवधि में उद्योग, आर्थिक मंदी के विशेष संदर्भ में।
   - द औपनिवेशक राज्य एवं औद्योगिक विकास।
   - इ औद्योगिक श्रम/श्रमिकों का उदय, वृहद उद्योगों में श्रम शक्ति, श्रमिक आंदोलन के प्रकार, औद्योगिक श्रमिकों की सामाजिक संरचना में परिवर्तन।
3. विदेशी व्यापार एवं भुगतान संतुलन -
   - अ बाह्य व्यापार का बदलता स्वरुप - व्यापार वाद की अवस्थाएं, औद्योगिक पूंजी, वित्त पोषित पूंजी।
   - ब धन सम्पदा का निष्कापन (निकासी) एवं ब्रिटिश समुदाय व्यापार।
4. राजकोषीय प्रणाली -
   - अ प्रत्यक्ष कर से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली की ओर।
   - ब टेरिफ एवं आबकारी शुल्क
   - स मौद्रिक नीतियां एवं जमा/उधार प्रणाली
5. मूल्य आंदोलन -
   - अ मूल्य आंदोलन में प्रमुख प्रवृत्ति/झुकाव
   - ब भूस्वामी/ मकान मालिकों पर किराया / लगान का प्रभाव
   - स राज्य के राजस्व एवं व्यापार पर प्रभाव
6. राष्ट्रीय आय के आंदोलन -
   विभिन्न कल्पनाएं एवं लेखा जोखा।
7. जन संख्या -
   - अ जनसंख्या वृद्धि - जनगणना पूर्व एवं वाद का लेखा -जोखा/ आकलन
   - ब निःशहरीकरण का विवाद।
   - स जनांकिकीय परिवर्तन की प्रवृत्ति।

अनुशंसित ग्रंथ :-

1.	दिनेश चंद्र भारद्वाज	- आधुनिक भारतीय संस्कृति इतिहास
2.	सुरेश चंद्र शुक्ला	- भारत का इतिहास भाग 1 एवं 2
3.	आर्शीवादी लाल श्रीवास्तव	- मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
4.	डॉ.एस.एल. नागोरी	- आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक इतिहास
5.	गिरीश मिश्रा	- आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास
6.	सव्यसाची भट्टाचार्य	- आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास 1850-1947
7.	डॉ. ए.आर. देसाई	- भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
8.	सुमित सरकार	- आधुनिक भारत
9.	बी.एल.लुणियां	- आधुनिक भारत -जनजीवन और संस्कृति
10.	प्रताप सिंह	- आधुनिक भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास
11.	दत्त	- इकोनोमिक हिस्ट्रीय ऑफ इण्डिया
12.	एस.आर. शर्मा	- मेकिंग आक मार्डन इण्डिया
13.	व्ही.डी. महाजन	- मार्डन इण्डियन हिस्ट्री
14.	एस. चांद	- मार्डन इण्डियन हिस्ट्री

21/8/18

21/8/18

21-8.18

कि.शास. कला एवं विज्ञान श्वशासी महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए.इतिहास, सत्र 21011-12 एवं 2012-13

सेमेस्टर-IV, प्रश्न पत्र -IV

PAPER code - 1016

भारत का इतिहास में नारी

WOMEN IN INDIAN HISTORY

Time: 3 Hours **(PART – II)** **Max.Marks:80**

Min.Marks:29

---

1. 1. महिलाएं एवं उनके कार्यक्षेत्र - घरेलू कार्य क्षेत्र
   2. महिलाओं के बाह्य कार्यक्षेत्र - कृषि उद्योग, विपणन
   3. नौकरी पेशा महिलाएं
2. 1. महिलाएं एवं संस्कृति - कला, संगीत एवम् नृत्य के क्षेत्र में
   2. सिनेम, थियेटर एवम् मिडीया के क्षेत्र में
   3. साहित्य एवम् धर्म के क्षेत्र में
   4. साहित्य लेखन, इतिहास लेखन के क्षेत्र में
3. 1. धर्म सुधार आदोलन एवं महिलाएं - भक्ति आंदोलन
   2. धर्म सुधार आंदोलन एवं महिलांएं - ब्रम्ह समाज, आर्य समाज
   3. धर्म सुधार आंदोलन एवं महिलाएं - अलीगढ़ आंदोलन
   4. धर्म सुधार आंदोलन एवं महिलाएं - थियोसोफिकल सोसायटी, सेल्फ रेसपेक्ट मूवमूंट
4. 1. आंदोलन व राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका - आदिवासी आंदोलन
   2. कृषक एवं श्रमिक आंदोलन
   3. स्थानीय निकायों में महिलाओं की भूमिका - पंचायत और नगर निगम

अनुशंसित ग्रंथ :-

1. डी. के शरण - भारतीय इतिहास में नारी
2. डॉ. अंबिका पारीक - प्राचीन भारत में नारी
3. वृन्दा कारात - भारतीय नारी - संघर्ष एवं मुक्ति
4. के.सी. श्रीवास्तव - प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति
5. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (प्राचीन)
6. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (मध्यकालीन भाग 1 एवं 2)
7. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (आधुनिक)
8. एल.पी. शर्मा - मध्यकालीन भारत
9. एल.पी. शर्मा - प्राचीन भारत
10. बी.एल. ग्रोवर यशपाल - आधुनिक भारत का इतिहास
11. विपिन चंद्र - आजादी के बाद भारत
12. हरिशचंद्र शर्मा - मध्यकालीन भारत
13. विपिन चंद्र - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

21/8/18 - 21/8/18

21-8-18

19.9.18

RTS & SCIENCE AUTONOMOUS COLLEGE, RAIGARH (C.G.)

DEPARTMENT OF ...History.....

Syllabus Based on UGC Model Curriculum

M.A./M.Sc. Semester 1st / ~~2nd / 3rd / 4th~~ 20162017 & 20172018

Scheme for theory Papers :

- The Syllabus comprise of .....16..... papers.
- Each paper is divided in ..... unit/section.
- (Note : If there is no unit or section system, please mention)
- Students will have to attempt ..... question from each unit/section.
- Thereby a total of ..... questions from each paper.
- In Case of No. unit/section system:
  a. Total No. of question to be asked .....08.....
  b. Total No. of question to be attempted by a student .....04.....
- If you are following any other type of question paper pattern, please mention it in detail.
- Duration of each paper for the examination purpose shall be .....Three..... Hours.
- Maximum marks 80 and 29 is pass marks in each theory paper and 20 marks for internal test (10 marks written + 10 marks seminar). Passing mark in internal test is 7 out of 20.

Title of Paper No. and Name :

Semester No....I st.....Paper No. 1 to 4

Paper title :- as follows

1. Historiography, concept, Methods and Tools.
2. History of Modern Europe. (1914 - 1945 A.D.)
3. History of Chhattisgarh (Mainly beginning 1853 A.
4. History of India (1757 - 1857 A.D.)
5.

Scheme for the Practical Examination :

There will be ..... practical examination paper in each semester.

Each practical examination will be of ..... marks each. Qualifying marks 36%.

Practical No. and the name of the practical paper will be as below.

Practical No. ..... Title .....

Practical No..... Title .....

Duration .....

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - I, प्रश्नपत्र - I

इतिहास लेखन की अवधारणा, पद्धतियाँ एवं साधन PAPER code - 1001

(HISTORIOGRAPHY, CONCEPT, METHODS AND TOOLS)

Time : 3 Hours | PART – I | Max. Marks : 80, Min. Marks : 29

1. **इतिहास का अर्थ :**
   - अ इतिहास क्या है ?
   - ब इतिहास की उत्पत्ति
   - स इतिहास का अर्थ
   - द इतिहास की परिभाषा
   - इ इतिहास के साधन

2. **इतिहास का क्षेत्र विस्तार :**
   - अ तथ्यों का संकलन एवं चयन
   - ब साक्ष्य एवं उनका अनुप्रयोग
   - स इतिहास में कारण
   - द इतिहास दर्शन एवं इतिहास वाद
   - इ इतिहास में पूर्वाग्रह

3. **इतिहास का अन्य विषयों से संबंध :**
   - अ इतिहास एवं पुरातत्व, भूगोल, मानवशास्त्र, समाज शास्त्र, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र, भाषा विज्ञान, प्राकृतिक विज्ञान, व्यवहारिक विज्ञान एवं साहित्य से संबंध

4. **इतिहास लेखन की परम्पराएं एवं अवधारणाएं :**
   - अ प्राचीन काल में इतिहास लेखन – यूनानी– रोमन परम्परा, चीनी इतिहास लेखन, प्राचीन भारत में इतिहास लेखन की परम्परा।
   - ब मध्यकालीन इतिहास लेखन – पश्चिमी इतिहास लेखन, अरबी एवं फारसी इतिहास लेखन
   - स मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन –

संदर्भ ग्रंथ :–

1. R.K. Majumdar & A.N. Shrivastav - Historiography
2. K.L. Khurana - Concept & Methods of Historiography
3. परमानंद सिंह – इतिहास दर्शन
4. गोविन्द चंद्र पाण्डेय – इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत
5. झारखंड चौबे – इतिहास दर्शन
6. मानिकलाल गुप्ता – इतिहास स्वरूप, अवधारणाएं एवं उपयोगिता
7. ई.एच.कार – इतिहास क्या है ?
8. बुद्ध प्रकाश – इतिहास दर्शन

30.11.16 30/11/16 30.11.2016 30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - I, प्रश्नपत्र - II

PAPER code - 1002

आधुनिक यूरोप का इतिहास

(HISTORY OF MODERN EUROPE)

Time : 3 Hours (Form 1914 A.D. to 1945 A.D.) Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

---

1. **19 वीं सदी की भूमिका :**
   - अ पूंजीवाद का विकास
   - ब साम्राज्यवाद का विकास
   - स उदारवाद का उदय
   - द समाजवाद का उदय
   - इ राष्ट्रवाद का उदय

2. **1919 तक विश्व की राजनैतिक स्थितियाँ :**
   - अ प्रथम विश्वयुद्ध - कारण एवं परिणाम
   - ब शांति संधियाँ एवं उनके दूरगामी परिणाम
   - स रूसी क्रांति 1917 - कारण एवं परिणाम
   - द रूस की क्रांति के पश्चात समाजवादी व्यवस्था, विश्व पर इसका आर्थिक एवं राजनैतिक प्रभाव तथा पश्चिम में प्रतिक्रिया।

3. **दो महायुद्धों के बीच विश्व :**
   - अ राष्ट्र संघ
   - ब सामूहिक सुरक्षा
   - स पूंजीवाद का संकट
   - द महान आर्थिक मंदी
   - इ उदारवादी विचारधारा एवं सामाजिक आंदोलन

4. **अधिनायक तंत्र का उदय :**
   - अ जर्मनी का उत्कर्ष - नाजीवाद के उदय के कारण, हिटलर की गृह एवं विदेश नीति।
   - ब इटली का उत्कर्ष - फासीवाद के उदय के कारण, मुसोलिनी की गृह एवं विदेश नीति।
   - स जापान की भूमिका -

संदर्भ ग्रंथ :-

1. दीनानाथ वर्मा - आधुनिक विश्व का इतिहास
2. वी.पी. राव - हिस्ट्री आफ वर्ल्ड
3. जगदीश चन्द्र झा - यूरोप का इतिहास
4. Lipson - Nintinth's & Twentieth's Century's Europe
5. E.H. Kar - Europe between two World Wars
6. ए.एल. पंचोली - विश्व का इतिहास
7. एम.एल. गुप्त - विश्व का इतिहास 1789-1945

30/11/16 30-11-2016 30.11.16 30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - I, प्रश्नपत्र - III

छत्तीसगढ़ का इतिहास

PAPER Code- 1003

(HISTORY OF CHHATTISGARH)

(प्रारंभ से 1853 ई. तक)

Time : 3 Hours | **Max. Marks : 80** | **Min. Marks : 29**

---

1. **प्रारंभिक इतिहास :**
   1. क्षेत्र का परिचय सीमाएं नामकरण - दक्षिण कोसल एवं छत्तीसगढ़।
   2. प्रागैतिहासिक-काल।
   3. वैदिक-काल से मौर्य पूर्व तक का इतिहास।
   4. मौर्यकालीन इतिहास, सातवाहन प्रभाव।
   5. गुप्त एवं वाकाटंकों का छत्तीसगढ़ से संबंध एवं प्रभाव।

2. **क्षेत्रीय राजवंश :**
   6. बस्तर का नालवंश, राजर्षितुल्य-कुल।
   7. शरभपुरीय वंश।
   8. दक्षिण कोसल (सिरपुर) का पाण्डुवंश।
   9. रतनपुर एवं रायपुर के कल्चुरी।
   10. बस्तर के छिंदकनाग, कवर्धा का फणि-नागवंश एवं कांकेर का सोमवंश।

3. **मराठाकाल :**
   11. मराठा पूर्व छत्तीसगढ़ की राजनीतिक स्थिति, कल्चुरियों का पराभव, क्षेत्रीय जमींदार।
   12. बिम्बाजी-भोंसले।
   13. सूबा-शासन।

4. **ब्रिटिश प्रभाव :**
   14. ब्रिटिश-नियंत्रण एवं नीति (1818-1830 ई. तक)
   15. रघुजी तृतीय (1830-1853 ई. तक)
   16. प्रशासन (प्रारंभिक काल से ब्रिटिश काल के पूर्व तक)

संदर्भ ग्रंथ :-

1. प्यारेलाल गुप्त - प्राचीन छत्तीसगढ़
2. भगवान सिंह वर्मा - छत्तीसगढ़ का इतिहास
3. अशोक शुक्ला - छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय आंदोलन एवं विकास
4. रमेन्द्र नाथ मिश्र - ब्रिटिश कालीन छ.ग. का प्रशासनिक इतिहास
5. मदनलाल गुप्ता - छत्तीसगढ़ दिग्दर्शन
6. सुरेश शुक्ला - छ.ग. का समग्र इतिहास
7. रमेन्द्रनाथ मिश्र एवं शांता शुक्ला - छ.ग. का राजनैतिक इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन

30/11/16 30-11-2016 30.11.16 30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - I, प्रश्नपत्र - IV

PAPER code - 1004

भारत का इतिहास (HISTORY OF INDIA)

(1757 ई. से 1857 ई. तक)

Time : 3 Hours | (Specialisation Group – Modern India) | Max. Marks : 80 | Min. Marks : 29

1. **आधुनिक भारत की बोधगम्यता : स्त्रोत**
   - अ. अभिलेखागार के अभिलेख।
   - ब. समाचार पत्र, पत्रिकाएं।
   - स. मौखिक परम्पराएं।
   - द. उपागम एवं व्याख्या, विभिन्न विचारधाराएं।

2. **मध्य अठारहवीं शताब्दी में भारत :**
   - अ. पूर्व औपनिवेशिक व्यवस्था।
   - ब. अर्थव्यवस्था।
   - स. समाज एवं संस्कृति।

3. **ब्रिटिश सत्ता का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण :**
   - अ. विस्तार एवं वाणिज्यवाद के सिद्धांत एवं वाणिज्यवाद की विशेषताएं।
   - ब. यूरोप एवं भारत में वाणिज्यवाद का विकास।
   - स. विस्तार की नीतियां एवं कार्यक्रम
   - द. प्रशासनिक संरचना एवं संस्थाएं

4. **विस्तार के उपकरण– युद्ध एवं कूटनीति :**
   - अ. आंग्ल मैसूर संघर्ष (1766–1799)
   - ब. आंग्ल मराठा संघर्ष (1772–1818)
   - स. राजस्थान, मध्य भारत तथा गांग्ल पंजाब संबंध (1709–1849)
   - द. आंग्ल अवध संबंध (1773–1856)

संदर्भित पुस्तकें :–

1. सुमित सरकार – आधुनिक भारत
2. बी.डी. महाजन – आधुनिक भारत
3. रोमिला थापर – भारत का इतिहास
4. रामलखन शुक्ल – आधुनिक भारत
5. एस.एल. नागोरी – आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
6. सरोज बाला – आधुनिक भारत का आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास
7. S.P. Nanda - History Of India
8. Sumit Sarkar - Modern Of India
9. P.N. Chopra, B.N. Puri, M.N. Das - A. Social Cultural and Economic History of India (Vol. I & II)
10. Tirthankar Roy - The Economic History of India 1857-1947

30/11/16 30.11.16 30-11-2016 30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - II, प्रश्नपत्र - I PAPER code - 1005

इतिहास लेखन की अवधारणा, पद्धतियां एवं साधन

(HISTORIOGRAPHY, CONCEPT, METHODS AND TOOLS)

(PART - II)

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

Min. Marks : 29

आधुनिक इतिहास लेखन–प्रत्यक्षवादी, व्हिग, शास्त्रीय मार्क्सवादी एवं ऐतिहासिक वृतांत

1. इतिहास के उपागम –

अ. धर्म संबंधी

ब. प्राच्यवादी

स. साम्राज्यवादी एवं राष्ट्रवादी

द. मार्क्सवादी

इ उपाश्रयी (सब–आलटर्न) एवं उत्तर आधुनिक

2. इतिहास के वृहद सिंद्धात –

अ. युग चक्रवादी सिद्धांत

ब. ऐतिहासिक भौतिकवाद

स. सामाजिक

द तुलनात्मक

इ संरचनात्मक

फ वैश्वीय

ज परिस्थितिकीय

ह इतिहास की उत्तर आधुनिक समालोचनाएं

3. भारतीय इतिहास की विषय वस्तु –

अ. आर्थिक, श्रमिक एवं कृषक वर्ग।

ब. वर्ण, जाति, जनजाति एवं लिंग।

स. धर्म एवं संस्कृति

द. पर्यावरण

इ. विज्ञान एवं प्राद्यौगिकी

4. इतिहास के प्रमुख वाद–विवाद

अ. प्राचीन भारतीय इतिहास के कुछ विवाद

ब. मध्यकालीन भारतीय इतिहास के कुछ विवाद

स. आधुनिक भारतीय इतिहास के कुछ विवाद

द. इतिहास के कुछ अन्य विवाद

संदर्भ ग्रंथ :–

1. R.K. Majumdar & A.N. Shrivastav - Historiography
2. K.L. Khurana - Concept & Methods of Historiography
3. परमानंद सिंह – इतिहास दर्शन
4. गोविन्द चंद्र पाण्डेय – इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत
5. झारखंड चौबे – इतिहास दर्शन
6. मानिकलाल गुप्ता – इतिहास स्वरूप, अवधारणाएं एवं उपयोगिता
7. ई.एच.कार – इतिहास क्या है ?
8. बुद्ध प्रकाश – इतिहास दर्शन

30/11/16 30-11-2016 30/11/16 20/11/16 A Shrivastava

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

0

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - II, प्रश्नपत्र - II   PAPER code - 1006

20 वीं शताब्दी का विश्व

(TWENTIETH CENTURY'S WORLD)

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

1. **द्वितीय विश्व युद्ध एवं नई राजनीतिक व्यवस्था :**
   - अ द्वितीय विश्व युद्ध - कारण एवं परिणाम
   - ब राष्टवादी आंदोलन तथा उपनिवेशीकरण
   - स चीन की साम्यवादी क्रांति और विश्व पर उसका प्रभाव
2. **शीत युद्ध एवं उसका प्रभाव -**
   - अ शीत युद्ध - कारण, विकास, प्रभाव
   - ब गुट निरपेक्ष आंदोलन एवं तृतीय विश्व
   - स संयुक्त राष्ट्र संघ एवं विश्व शांति की अवधारणा
   - द क्षेत्रीय तनाव - कश्मीर, फिलीस्तीन, क्यूबा, कोरिया, वियतनाम।
3. **आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति का युग :**
   - अ उद्योग, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना एवं संचार
   - ब सांस्कृतिक क्रांति, मानव अधिकार आंदोलन
4. **समाजवाद का विघटन और शीत युद्ध की समाप्ति :**
   - अ समाजवाद का विघटन
   - ब एक ध्रुवीय एवं द्वि ध्रुवीय प्रतिमान
   - स भूमण्डलीकरण।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. दीनानाथ वर्मा - आधुनिक विश्व का इतिहास
2. वी.पी. राव - हिस्ट्री आफ वर्ल्ड
3. जगदीश चन्द्र झा - यूरोप का इतिहास
4. Lipson - Nintinth's & Twentieth's Century's Europe
5. E.H. Kar - Europe between two World Wars
6. ए.एल. पंचोली - विश्व का इतिहास
7. एम.एल. गुप्त - विश्व का इतिहास 1789-1945

30/11/16   R. Patel 30-11-2016   30.11.16

30.11.16   A Shrivastava 30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - II, प्रश्नपत्र - III

PAPER code - 1007

छत्तीसगढ़ का इतिहास

(HISTORY OF CHHATTISGARH)

(राष्ट्रीय चेतना, समाज एवं संस्कृति)

(1854 ई. से 1947 ई. तक)

Time : 3 Hours | Max. Marks : 80 | Min. Marks : 29

---

1. **ब्रिटिश काल :**
   1. ब्रिटिश शासन की स्थापना।
   2. ब्रिटिश नियंत्रण एवं नीति।
   3. ब्रिटिश-कालीन प्रशासनिक व्यवस्था (1854 से 1947)

2. **स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास :**
   1. 1857 का विप्लव एवं छत्तीसगढ़ में राजनीतिक-जागरण।
   2. राष्ट्रीय-आंदोलन का विकास (तिलक युग) 1905 से 1920 तक।
   3. राष्ट्रीय-आंदोलन, स्वराज-दल, सविनय-अवज्ञा-आंदोलन, व्यक्तिगत-सत्याग्रह-आंदोलन, रायपुर षड़यंत्र केस, भारत-छोड़ो-आंदोलन।
   4. किसान, मजदूर, एवं आदिवासी-आंदोलन।
   5. स्वतंत्रता प्राप्ति एवं रियासतों का विलीनीकरण।

3. **छत्तीसगढ़ का सांस्कृतिक इतिहास :**
   1. सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति।
   2. धार्मिक आस्थाएं-वैष्णव, शैव, शाक्त, जैन, बौद्ध, कबीर-पंथ, सतनाम-पंथ एवं अन्य
   3. शैल-चित्रकला एवं वास्तुकला।
   4. लोक-संस्कृति, परम्परा, साहित्य एवं भाषा।
   5. छत्तीसगढ़ के सपूत।

4. **छत्तीसगढ़ के प्रागैतिहासिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल :**
   1. चित्रित शैलाश्रय-सिंघनपुर, कबरा पहाड़, बसनाझर, ओंगना (रायगढ़)
   2. प्राचीन अवशेष-रामगढ़ की पहाड़ियाँ (सरगुजा), सीताबोंगरा, लक्ष्मण गुफा, वशिष्ठ गुफा, बारसूर (बस्तर)।
   3. मंदिर देवालय- मल्हार, सिरपुर, राजिम, रतनपुर, अड़भार, पुजारीपाली, भोरमदेव, खरौद

संदर्भ ग्रंथ :-

1. प्यारेलाल गुप्त - प्राचीन छत्तीसगढ़
2. भगवान सिंह वर्मा - छत्तीसगढ़ का इतिहास
3. अशोक शुक्ला - छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय आंदोलन एवं विकास
4. रमेन्द्र नाथ मिश्र - ब्रिटिश कालीन छ.ग. का प्रशासनिक इतिहास
5. मदनलाल गुप्ता - छत्तीसगढ़ दिग्दर्शन
6. सुरेश शुक्ला - छ.ग. का समग्र इतिहास
7. रमेन्द्रनाथ मिश्र एवं शांता शुक्ला - छ.ग. का राजनैतिक इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन

30.11.16 30/11/16 30.11.16 30-11-2016

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

PAPER code 1008

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - II, प्रश्नपत्र - IV

भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

(SOCIAL & ECONOMIC HISTORY OF INDIA)

(1757 ई. से 1857 ई. तक)

Time : 3 Hours (Specialisation Group – Modern India) **Max. Marks : 80**

Min. Marks : 29

---

1. **सामाजिक नीतियां एवं सामाजिक परिवर्तन –**
   - अ. परिवर्तन की अवधारणा।
   - ब. सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्तरदायी तत्व, भारत में सामाजिक परिवर्तन(1757–1857)
   - स. भारतीय समाज के प्रति ब्रिटिश दृष्टिकोण, पूर्वीय एवान्जेलिकल दृष्टिकोण।
   - द. उपयोगितावादी दृष्टिकोण।

2. **सामाजिक सुधार एवं उदीयमान सामाजिक वर्ग –**
   - अ. सुधार आदोलन का स्वरूप।
   - ब. भारत में नवीन वर्गों के उदय के कारण।
   - स. नये सामाजिक वर्गों की विशेषताएं एवं परिणाम।

3. **आर्थिक संगठन–परिवर्तन एवं निरंतरता –**
   - अ. ग्रामीण अर्थव्यवस्था, नवीन भू–राजस्व व्यवस्था।
   - ब. कृषि का व्यवसायीकरण, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, वित्तीय संस्थाएं।
   - स. नगरीय अर्थव्यवस्था–कलात्मक एवं आद्योगिक उत्पादन,अनौद्योगीकरण,क्षेत्रीय विभिन्नताएं
   - द. आंतरिक बाजार का उत्थान एवं नगरीय केन्द्र, डाक–तार एवं संचार, यातायात,रेल्वे आदि

4. **औपनिवेशिक शासन के प्रति प्रतिरोध –**
   - अ. 1857 से पूर्व कृषक, आदिवासी एवं सांस्कृतिक प्रतिरोध।
   - ब. 1857 का विद्रोह–स्वरूप, पृवित्त, कारण, कार्यक्रम, विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व, जन भागीदारी, अंग्रेजों द्वारा दमन एवं प्रतिक्रिया।
   - स. विद्रोह का परिणाम एवं महत्व।

संदर्भित पुस्तकें :–

1. सुमित सरकार – आधुनिक भारत
2. बी.डी. महाजन – आधुनिक भारत
3. रोमिला थापर – भारत का इतिहास
4. रामलखन शुक्ल – आधुनिक भारत
5. एस.एल. नागोरी – आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
6. सरोज बाला – आधुनिक भारत का आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास
7. S.P. Nanda - History Of India
8. Sumit Sarkar - Modern Of India
9. P.N. Chopra, B.N. Puri, M.N. Das - A. Social Cultural and Economic History of India (Vol. I & II)
10. Tirthankar Roy - The Economic History of India 1857-1947

30.11.16 30/11/16 30-11-2016 Ashrivastava 30/11/16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - III, प्रश्नपत्र - I

PAPER code - 1009

भारत में राज्य

(प्राचीन भारत)

STATE IN INDIA

(Ancient India)

Time : 3 Hours | Max. Marks : 80 | Min. Marks : 29

1. **राज्य की उत्पत्ति –**
   - अ. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत
   - ब. प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति एवं राजा के अधिकार एवं कर्तव्य
   - स. आदिकालीन राज्य, हड़प्पा कालीन प्रशासनिक स्वरूप एवं संभावित राजधानियाँ
   - द. आर्यो की प्रारंभिक राजनैतिक अवस्था, उत्तर वैदिक कालीन राज्य
   - इ. बुद्धकालीन सीमांकित राज्य–सोलह महाजनपद, राजतंत्रीय एवं गणतंत्रीय व्यवस्था

2. **मौर्य साम्राज्य –**
   - अ. मगध का उत्कर्ष, मौर्य साम्राज्य की स्थापना
   - ब. मौर्यकालीन समाज एवं अर्थव्यवस्था
   - स. मौर्यकालीन प्रशासन

3. **गुप्ता साम्राज्य –**
   - अ. मौर्योत्तर राज्य – शुंग, सातवाहन एवं कुषाण साम्राज्य
   - ब. गुप्त प्रशासन, कर प्रणाली
   - स. सामाजिक जीवन एवं अर्थव्यवस्था
   - द. गुप्तोत्तर राज्य, वर्धन वंश (हर्षवर्धन) प्रशासन एवं संस्कृति

4. **राजपूत राज्य –**
   - अ. राजपूतों की उत्पत्ति
   - ब. उत्तर भारत के प्रमुख राजपूत राज्य–गुर्जर, प्रतिहार, चौहान, परमार, कलचुरि एवं चंदेल वंश
   - स. राजपूतकालीन राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन
   - द. सुदूर दक्षिण के प्रमुख राज्य, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक विकास, पल्लव चालुक्य एवं राष्ट्रकूट राज्य, चोल प्रशासन

5. **अरबों एवं तुर्को का आगमन –**
   - अ. अरबो के साथ आरंभिक सम्पर्क – सिन्ध पर अरब आक्रमण
   - ब. भारत में तुर्को का आगमन – महमूद गजनवी
   - स. मुहम्मद गौरी – आक्रमण के कारण एवं परिणाम
   - द. तुर्को की सफलता के कारण –

अनुशंसित ग्रंथ –

1. भारत में राज्य – डॉ. एस.एल. वरे
2. भारतीय इतिहास में राज्य व्यवस्था – अमर सिंह उद्दे
3. हिंदु राज व्यवस्था का इतिहास – उपेन्द्र नाथ घोषाल
4. प्राचीन भारत का इतिहास – झा एवं श्रीमाली

30/11/16 30.11.16 30-11-2016 30.11.16 30.11.16

5.	भारत का वृहत् इतिहास	– चौधरी, मजूमदार एवं दत्त
6.	प्राचीन भारत का राजनीतिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास	– आर.एस. शर्मा
7.	प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास	– विमल चंद्र पाण्डेय
8.	वंश से राज्य तक	– रोमिला थापर
9.	प्राचीन भारत का इतिहार	– श्री नेत्र पाण्डेय
10.	राजस्थान के इतिहास की रूपरेखा	– डॉ. हेतसिंह बघेल
11.	राजस्थान का सामाजिक सांस्कृतिक इतिहास	– ईद मोहम्मद
12.	राजस्थान का इतिहास	– कर्नल जेम्स टॉड
13.	विचारों का इतिहास	– डॉ. ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव
14.	दक्षिण भारत का इतिहास	– नीलकंठ शास्त्री
15.	प्राचीन भारतीय शासन पद्धति	– प्रो. अनंत सदाशिव अल्तेकर
16.	प्रागैतिहासिक मानव और संस्कृतियाँ	– डॉ. श्रीराम गोयल
17.	प्राचीन भारत	– रामशरण शर्मा
18.	प्राचीन भारत का राजनीतिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास	– आर.एस. शर्मा
19.	प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता	– दामोदर धर्मानंद कोसंबी
20.	भारतीय समाज और संस्कृति	– एस.एल.वरे

30/11/16 30-11-16 30-11-2016 A Shrivastava 30.11.16 30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - III, प्रश्नपत्र - II

PAPER code - 1010

भारत का इतिहास - 1858 ई. से 1964 ई. तक

(राजनैतिक एवं प्रशासनिक)

HISTORY OF INDIA 1858 TO 1964 A.D.

(Political and Administrative)

Time : 3 Hours **(Specilisation Group – Modern India)** **Max. Marks : 80**
Min. Marks : 29

---

1. **साम्राज्यवादी नियंत्रण की नीतियाँ –**
   - अ. भारतीय प्रशासन पर ब्रिटिश सरकार और उसका नियंत्रण
   - ब. केन्द्रीय
   - स. प्रान्तीय
   - द. जिला

2. **ब्रिटिश सरकार के देशी राज्यों**
   - अ. देशी राज्यों से संबंध
   - ब. संबंधों में परिवर्तन
   - स. राज्यों के प्रति, नीति का विकास
   - द. एकीकरण और विलय

3. **वैदेशिक संबंधों का सिद्धांत एवं नीतियाँ –**
   - अ. सिद्धांतों एवं नीतियों का अनुकरण
   - ब. कुशल अकर्मण्यता की नीति एवं गुण दोष
   - स. यंग हसबैण्ड मिशन के संदर्भ में नीति

4. **भारत और उसके पड़ोसी देश –**
   - अ. ईरान एवं फारस से संबंध
   - ब. अफगान से संबंध
   - स. नेपाल से संबंध
   - द. तिब्बत से संबंध
   - इ. बर्मा से संबंध

5. **राष्ट्रीय आन्दोलन –**
   - अ. भारतीय राष्ट्रवाद के प्रति दृष्टिकोण एवं अवधारणात्मक विवाद
   - ब. संगठित राष्ट्रवाद
   - स. 1919 ई. तक राष्ट्रीय आन्दोलन की प्रवृत्ति
   - द. गांधीवादी आंदोलन–प्रकृति, कार्यक्रम, सामाजिक संरचना सीमायें और चुनौतियाँ
   - इ. क्रांतिकारी और वामपंथी आंदोलन
   - फ. साम्प्रदायिक राजनीति
   - ज. सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज

स्वाधीन भारत –
- अ. नये भारत की परिकल्पनायें
- ब. देश का विभाजन

स.	देशी रियासतों का विलीनीकरण
द.	भूमि संबंधी विवाद और औद्योगिक नीतियाँ
इ.	भारतीय गणतंत्र का संविधान
फ.	भारत की विदेश नीति

अनुशंसित ग्रंथ –

1.	एल.पी. शर्मा	– आधुनिक भारत
2.	श्रजनी पान दत्त	– इंडिया टूडे
3.	प्रताप सिंह	– आधुनिक भारत का इतिहास
4.	एम.एस. जैन	– आधुनिक भारत
5.	सुमित सरकार	– आधुनिक भारत
6.	बी.एल. ग्रोवर एवं यशपाल	– आधुनिक भारत का विकास
7.	एग्नेश ठाकुर	– भारत का इतिहास 1757–1857
8.	वीरकेश्वर प्रसाद सिंह	– भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास
9.	एस.आर. शर्मा	– मेकिंग ऑफ मार्डन इंडिया
10.	बी.बी.मिश्र	– सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ इंडिया कंपनी
11.	विपिन चन्द्रा	– आजादी के बाद का भारत
12.	पुखराज जैन	– भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास
13.	व्ही.डी.महाजन	– मार्डन इंण्डियन हिस्ट्री
14.	एस.चांद	– मार्डन इंण्डियन हिस्ट्री
15.	वपिन वंद	– भारत का स्वतंत्रता संघर्ष

30/11/16 30.11.16 30.11.2016
A Srivastava
30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - III, प्रश्नपत्र - III PAPER code - 1011

भारत का आर्थिक इतिहास - 1757 ई. से 1947 ई. तक

(ECONOMIC HISTORY OF INDIA 1757 TO 1947 A.D.)

Time : 3 Hours (Part-I) Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

---

1. **प्रस्तावना –**
   - अ. भारतीय आर्थिक इतिहास के मुद्दे एवं समस्याएं, विभिन्न दृष्टिकोण एवं उनकी सीमाएं।
   - ब. ब्रिटिश भारत के आर्थिक इतिहास के स्त्रोत

2. **मध्य अठारहवीं सदी में भारतीय अर्थव्यवस्था –**
   - अ. अर्थव्यवस्था की प्रकृति एवं संरचना, ग्रामीण एवं नगरीय
   - ब. भूमि संबंधी एवं गैर भूमि संबंधी उत्पादन, तकनीकि एवं उत्पादन पद्धति।
   - स. व्यापार एवं स्वदेशी, स्थानीय बैंकिंग।
   - द. पूर्व–औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में पूंजीगत परिवर्तन पर (मतभेद विवाद)

3. **औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था का प्रारंभिक चरण –**
   - अ. वाणिज्यवाद एवं भारत में यूरोपीय आर्थिक हित, ईस्टइंडिया कंपनी एवं बंगाल में उसका शासन
   - ब. धन का प्रारंभिक उत्सर्ग (प्रवाह) एवं इसके तंत्र, मात्रा एवं परिणाम।
   - स. वाह्य बाजार के लिए भारतीय विनिर्माता – आंतरिक वाणिज्य के प्रश्न पर मतभेद/विवाद।

4. **भूमि संबंधी बंदोबस्त एवं भूमि संबंधी उत्पादन –**
   - अ. भूमि संबंधी अवस्थाएं – क्षेत्रीय विभिन्नताएं।
   - ब. स्थायी बंदोबस्त – उद्देश्य परिणाम।
   - स. रैयतवाड़ी बंदोबस्त एवं महालवाड़ी बंदोबस्त।
   - द. सामाजिक बंदोबस्त के परिणाम।
   - इ. निर्यात फसलों की कृषि में वृद्धि, कृषि संबंधी आयात–निर्यात नीति।

5. **परिस्थितिकी परिवर्तन एवं ग्रामीण समाज –**
   औपनिवेशिक राज्यों के वनों पर बढ़त, नियंत्रण की मंशा विशेष के संदर्भ में।

6. **पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग एवं निःऔद्योगिकीकरण के प्रश्न –**
   - अ. कारीगर एवं हस्तकला उत्पादन – पृष्ठ भूमि।
   - ब. औद्योगिक पूंजीवाद एवं अंग्रेजी कपड़े एवं सूतों का निर्यात।
   - स. निःऔद्योगिकीकरण पर विवाद/मतभेद – क्षेत्रीय विभिन्नताएं।
   - द. औपनिवेशिक वाद में हस्तकला उद्योग में संक्रमण।
   - इ. हस्तकला उद्योग में पूंजी एवं श्रम / श्रमिक।

30/11/16 30.11.16 30-11-2016

30.11.16 30.11.16

अनुशंसित ग्रंथ –

1.	भारत का आर्थिक इतिहास	– डॉ. एग्नेस ठाकुर
2.	भारत का आर्थिक राष्ट्रवाद का उद्‌भव एवं विकास	– डॉ. विपिन चंद्र
3.	आधुनिक भारत का राजनैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास	– डॉ. कालूराम शर्मा एवं डॉ. प्रकाश व्यास
4.	आधुनिक भारत	– प्रताप सिंह
5.	भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास	– चोपड़ा, पुरी, दास
6.	आधुनिक भारत का जन–जीवन एवं संस्कृति	– बी.एन. लुणिया
7.	आधुनिक भारत का इतिहास	– सब्यसाची भट्टाचार्य
8.	आधुनिक भारत	– सुमित सरकार
9.	आधुनिक भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास	– प्रताप सिंह / ए.जे. मंगलानी
10.	भारत में ब्रिटिश साम्राज्य	– बी.एन. लुणिया
11.	भारत का इतिहास	– डॉ. अर्मिला / प्रकाश मिश्रा
12.	भारत का आर्थिक इतिहास	– आर.सी. दत्त
13.	मेकिंग ऑफ मार्डन इण्डिया	– एस.आर. शर्मा
14.	मार्डन इण्डियन हिस्ट्री	– व्ही.डी. महाजन
15.	मार्डन इण्डियन हिस्ट्री	– एस.चांद

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - III, प्रश्नपत्र - III

PAPER code - 1011

भारत का आर्थिक इतिहास - 1757 ई. से 1947 ई. तक

(ECONOMIC HISTORY OF INDIA 1757 TO 1947 A.D.)

Time : 3 Hours (Part-I) Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

---

1. **प्रस्तावना –**
   - अ. भारतीय आर्थिक इतिहास के मुद्दे एवं समस्याएं, विभिन्न दृष्टिकोण एवं उनकी सीमाएं।
   - ब. ब्रिटिश भारत के आर्थिक इतिहास के स्त्रोत

2. **मध्य अठारहवीं सदी में भारतीय अर्थव्यवस्था –**
   - अ. अर्थव्यवस्था की प्रकृति एवं संरचना, ग्रामीण एवं नगरीय
   - ब. भूमि संबंधी एवं गैर भूमि संबंधी उत्पादन, तकनीकि एवं उत्पादन पद्धति।
   - स. व्यापार एवं स्वदेशी, स्थानीय बैंकिंग।
   - द. पूर्व–औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में पूंजीगत परिवर्तन पर (मतभेद विवाद)

3. **औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था का प्रारंभिक चरण –**
   - अ. वाणिज्यवाद एवं भारत में यूरोपीय आर्थिक हित, ईस्टइंडिया कंपनी एवं बंगाल में उसका शासन
   - ब. धन का प्रारंभिक उत्सर्ग (प्रवाह) एवं इसके तंत्र, मात्रा एवं परिणाम।
   - स. वाह्य बाजार के लिए भारतीय विनिर्माता – आंतरिक वाणिज्य के प्रश्न पर मतभेद/विवाद।

4. **भूमि संबंधी बंदोबस्त एवं भूमि संबंधी उत्पादन –**
   - अ. भूमि संबंधी अवस्थाएं – क्षेत्रीय विभिन्नताएं।
   - ब. स्थायी बंदोबस्त – उद्देश्य परिणाम।
   - स. रैयतवाड़ी बंदोबस्त एवं महालवाड़ी बंदोबस्त।
   - द. सामाजिक बंदोबस्त के परिणाम।
   - इ. निर्यात फसलों की कृषि में वृद्धि, कृषि संबंधी आयात–निर्यात नीति।

5. **परिस्थितिकी परिवर्तन एवं ग्रामीण समाज –**

   औपनिवेशिक राज्यों के वनों पर बढ़त, नियंत्रण की मंशा विशेष के संदर्भ में।

6. **पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग एवं निःऔद्योगिकीकरण के प्रश्न –**
   - अ. कारीगर एवं हस्तकला उत्पादन – पृष्ठ भूमि।
   - ब. औद्योगिक पूंजीवाद एवं अंग्रेजी कपड़े एवं सूतों का निर्यात।
   - स. निःऔद्योगिकीकरण पर विवाद/मतभेद – क्षेत्रीय विभिन्नताएं।
   - द. औपनिवेशिक वाद में हस्तकला उद्योग में संक्रमण।
   - इ. हस्तकला उद्योग में पूंजी एवं श्रम / श्रमिक।

30/11/16 30.11.16 R. Pand 30-11-2016

A Shrivastava 30.11.16 30.11.16

8.	मध्यकालीन भारत	– मथुरालाल शर्मा
9.	पूर्व मध्यकालीन भारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास	– बी.एन. लुणियां
10.	भारत में आर्थिक राष्ट्रीयवाद उद्‌भव एवं विकार	– विपिन चन्द्र
11.	आधुनिक भारत	– सुमित सरकार / विपिन चन्द्र
12.	संस्कृति के चार अध्याय	– रामधारी सिंह दिनकर
13.	भारत का वृहत् इतिहास	– रामचौधरी, मजूमदार एवं दत्त
14.	मध्यकालीन इतिहास लेखन	– डॉ. हरिशंकर
15.	मराठो का इतिहास	– दिनेश चन्द्र भारद्वाज
16.	मराठो का इतिहास	– ग्रांट डफ
17.	मध्यकालीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति	– दिनेश चन्द्र भारद्वाज
18.	भारतीय समाज और संस्कृति	– एस.एल.वरे

30/11/16

30.11.16

30-11-2016

30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - IV, प्रश्नपत्र - I

भारत में राज्य PAPER code - 1013

(मध्यकालीन भारत)

STATE IN INDIA

(Medieval India)

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

1. **दिल्ली सल्तनत –**
   - अ. मध्यकालीन भारतीय राज्यों के इतिहास जानने के साधन (स्त्रोत)
   - ब. दिल्ली के सुल्तानों के अधीन राज्यों का स्वरूप एवं कार्य
   - स. सल्तनत के इस्लामी राज्य सिद्धांत (राजत्व का सिद्धांत)
   - द. प्रसाशनिक व्यवस्था
   - इ. समाज एवं संस्कृति

2. **विजय नगर राज्य –**
   - अ. उत्पत्ति, संरचना एवं प्रकृति
   - ब. प्रशासन – केन्द्रीय, प्रान्तीय एवं स्थानीय
   - स. भू–राजस्व व्यवस्था
   - द. सामाजिक आर्थिक एवं धार्मिक जीवन

3. **मुगल साम्राज्य –**
   - अ. मुगल साम्राज्य की स्थापना
   - ब. मुगल राज्य के राजत्व का सिद्धांत
   - स. मुगल प्रशासन एवं संस्थाएं – केन्द्रीय, प्रान्तीय एवं स्थानीय
   - द. भू–राजस्व प्रणाली, मनसबदारी प्रथा, सैन्य व्यवस्था एवं न्याय प्रणाली
   - इ. समाज एवं संस्कृति

4. **मराठा एवं सिक्ख राज्य –**
   - अ. शिवाजी के अधीनस्थ मराठा प्रशासन – (शिवाजी का शासन प्रबंध) केन्द्रीय शासन, छत्रपति, अष्टप्रधान, राजस्व व्यवस्था, सैन्य संगठन, न्याय व्यवस्था, स्थानीय शासन–जिले एवं परगने।
   - ब. महाराणा रणजीत सिंह के अधीनस्थ सिक्ख प्रशासन – केन्द्रीय एवं प्रान्तीय सरकारें, न्याय व्यवस्था, सैन्य प्रशासन, भू–राजस्व प्रणाली
   - स. औपनिवेशिक राज्स का प्रारंभ – भारत में यूरोपीय जातियों का आगमन, उनके व्यापारिक हित एवं पारस्परिक प्रतिस्पर्धा, अंगेजों की सफलता एवं औपनिवेशिक राज्य की स्थापना।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. भारत में राज्य – डॉ. एस.एल. वरे
2. भारतीय इतिहास में राज्य व्यवस्था – अमर सिंह उद्दे
3. विचारों का इतिहास – डॉ. बी.के. श्रीवास्तव
4. मध्यकालीन भारत – अवध बिहारी पाण्डेय
5. भारत का इतिहास (1000 से 1707 ई. तक) – आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव
6. मध्यकालीन भारत, आधुनिक भारत – व्ही डी महाजन
7. भारत में अंग्रजी राज्य – संदर लाल

30/11/16 30/11/16 30.11.16 R. Bal 30-11-2016 A Shrivastava

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

PAPERCODE- 1014

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - IV, प्रश्नपत्र - II

भारत का इतिहास - 1858 ई. से 1964 ई. तक

(सामाजिक एवं सांस्कृतिक)

HISTORY OF INDIA 1858 TO 1964 A.D.

(Social And Cultural)

Time : 3 Hours (Specilisation Group – Modern India) Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

1. **सामाजिक संरचना –**
   - अ. विशेष जन समूह – जनजातियाँ अपराधी जनजातियों एवं जातियों का उदय
   - ब. वर्ग
   - स. समुदाय
2. **औपनिवेशिक हस्तक्षेप एवं सामाजिक परिवर्तन –**
   - अ. पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव
   - ब. भारतीय समाज में परिवर्तन
3. **सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन–**
   - अ. आंदोलन की पृष्ठभूमि
   - ब. आर्य समाज
   - स. प्रार्थना समाज
   - द. थियोसोफिकल सोसायटी
   - इ. रामकृष्ण मिशन
4. **अलीगढ़ आंदोलन –**
   - अ. उद्देश्य
   - ब. आंदोलन के कारण
   - स. आंदोलन के परिणाम
5. **जातीय आंदोलन अथवा जाति प्रथा के विरूद्ध आंदोलन –**
   - अ. हरिजन तथा पिछड़ी जातियों का विकास
   - ब. अस्पृश्यता अथवा अछूतप्रथा
   - स. हरिजनोद्धार तथा दलित वर्ग के उन्नति के प्रयास
6. **ब्रिटिश काल में नारी उत्थान के प्रयास –**
   - अ. नारी की दशा
   - ब. सामाजिक अवस्था सुधारने के प्रयत्न
   - स. नारी स्वतंत्रता के लिये किये गये प्रयत्न
7. **भारतीय समाज में मध्यम वर्ग का उदय –**
   - अ. भारतीय समाज की दशा
   - ब. मध्यम वर्ग के उदय के कारण
   - स. भारतीय समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव
   - द. देश की अर्थव्यवस्था में किये कार्यों का मूल्यांकन

30/11/16 30/11/16 30.11.16 30-11-2016

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

PAPER CODE- 1014

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - IV, प्रश्नपत्र - II

भारत का इतिहास - 1858 ई. से 1964 ई. तक

(सामाजिक एवं सांस्कृतिक)

HISTORY OF INDIA 1858 TO 1964 A.D.

(Social And Cultural)

Time : 3 Hours | (Specilisation Group – Modern India) | Max. Marks : 80, Min. Marks : 29

---

1. **सामाजिक संरचना –**
   - अ. विशेष जन समूह – जनजातियाँ अपराधी जनजातियों एवं जातियों का उदय
   - ब. वर्ग
   - स. समुदाय
2. **औपनिवेशिक हस्तक्षेप एवं सामाजिक परिवर्तन –**
   - अ. पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव
   - ब. भारतीय समाज में परिवर्तन
3. **सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन–**
   - अ. आंदोलन की पृष्ठभूमि
   - ब. आर्य समाज
   - स. प्रार्थना समाज
   - द. थियोसोफिकल सोसायटी
   - इ. रामकृष्ण मिशन
4. **अलीगढ़ आंदोलन –**
   - अ. उद्देश्य
   - ब. आंदोलन के कारण
   - स. आंदोलन के परिणाम
5. **जातीय आंदोलन अथवा जाति प्रथा के विरुद्ध आंदोलन –**
   - अ. हरिजन तथा पिछड़ी जातियों का विकास
   - ब. अस्पृश्यता अथवा अछूतप्रथा
   - स. हरिजनोद्धार तथा दलित वर्ग के उन्नति के प्रयास
6. **ब्रिटिश काल में नारी उत्थान के प्रयास –**
   - अ. नारी की दशा
   - ब. सामाजिक अवस्था सुधारने के प्रयत्न
   - स. नारी स्वतंत्रता के लिये किये गये प्रयत्न
7. **भारतीय समाज में मध्यम वर्ग का उदय –**
   - अ. भारतीय समाज की दशा
   - ब. मध्यम वर्ग के उदय के कारण
   - स. भारतीय समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव
   - द. देश की अर्थव्यवस्था में किये कार्यो का मूल्यांकन

30/11/16 30/11/16 30.11.16 30-11-2016

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - IV, प्रश्नपत्र - III PAPER code-1015

भारत का आर्थिक इतिहास - 1757 ई. से 1947 ई. तक

(भाग -2)

(ECONOMIC HISTORY OF INDIA A.D. 1757 TO 1947)

Time : 3 Hours (Part-II) Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

1. रेलवे एवं भारतीय अर्थ व्यवस्था –
   - अ. आर्थिक एवं राजनैतिक अनिवार्यतता (बाध्यताएँ)
   - ब. भारतीय बाजार का एकीकरण एवं अधीनस्थता
   - स. भूमि संबंधी उत्पादन पर कच्चेमाल के निर्यात पर प्रभाव – कृषि का व्यवसायीकरण
   - द. अकाल एवं ब्रिटिश नीति, राष्ट्रवादी आलोचना।

2. वृहद उद्योग–
   - अ. आधुनिक उद्योग के उद्भव के पहले की अवस्था।
   - ब. भारत में पूंजीगत विनियोग – स्थानीय एवं ब्रिटिश परिणाम
   - स. 1914 के पूर्व की अवस्था में आधुनिक उद्योग – प्रकृति, उद्योग, कपास, जूट, लौह, स्टील एवं अन्य विकास की बाधाएं, राष्ट्रवादी आलोचनाएं प्रथम विश्व युद्ध की अवधि में उद्योग, आर्थिक मंदी के विशेष संदर्भ में।
   - द. औपनिवेशिक राज्य एवं औद्योगिक विकास।
   - इ. आद्योगिक श्रम/श्रमिकों का उदय, वृहद उद्योगों में श्रम शक्ति, श्रमिक आंदोलन के प्रकार, औद्योगिक श्रमिकों की सामाजिक संरचना में परिवर्तन।

3. विदेशी व्यापार एवं भुगतान संतुलन –
   - अ. बाह्य व्यापार का बदलता स्वरूप–व्यापार वाद की अवस्थाएँ, औद्योगिक पूंजी, वित्त पोषित पूंजी
   - ब. धन सम्पदा का निष्काषन (निकासी) एवं ब्रिटिश समुदाय का व्यापार

4. राजकोषीय प्रणाली –
   - अ. प्रत्यक्ष कर से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली की ओर
   - ब. टेरिफ एवं आबकारी शुल्क
   - स. मौद्रिक नीतियाँ एवं जमा/उधार प्रणाली

5. मूल्य आंदोलन –
   - अ. मूल्य आंदोलन में प्रमुख प्रवृत्ति / झुकाव
   - ब. भूस्वामी / मकान मालिकों पर किराया / लगान का प्रभाव
   - स. राज्य के राजस्व एवं व्यापार पर प्रभाव

6. राष्ट्रीय आय के आंदोलन –
   - अ. विभिन्न कल्पनाएं एवं लेखा जोखा।

7. जन संख्या –
   - अ. जनसंख्या वृद्धि, जनगणना पूर्व एवं वाद का लेखा–जोखा / आकलन
   - ब. निःशहरीकरण का विवाद
   - स. जनांकिकीय परिवर्तन की प्रवृत्ति

30/11/16 30/11/16 30-11-2016

अनुशंसित ग्रंथ –

1.	दिनेश चन्द्र भारद्वाज	– आधुनिक भारतीय संस्कृति इतिहास
2.	सुरेश चन्द्र शुक्ला	– भारत का इतिहास भाग 1 एवं 2
3.	आशीर्वाद लाल श्रीवास्तव	– मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
4.	डॉ. एस.एल. नागोरी	– आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक इतिहास
5.	गिरीश मिश्रा	– आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास
6.	सव्यसाची भट्टाचार्य	– आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास 1850–1947
7.	डॉ. ए.आर. देसाई	– भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
8.	सुमित सरकार	– आधुनिक भारत
9.	बी.एन. लुणियाँ	– आधुनिक भारत जन–जीवन और संस्कृति
10.	प्रताप सिंह	– आधुनिक भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास
11.	दत्त	– इकोनामिक हिस्ट्रीय ऑफ इण्डिया
12.	एस.आर. शर्मा	– मेकिंग ऑफ मार्डन इण्डिया
13.	व्ही.डी. महाजन	– मार्डन इण्डियन हिस्ट्री
14.	एस.चांद	– मार्डन इण्डियन हिस्ट्री

30/11/16 A Shrivastava 30.11.16 R. Pard 30-11-2016 30.11.16

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

PAPER code-1015

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - IV, प्रश्नपत्र - III

भारत का आर्थिक इतिहास - 1757 ई. से 1947 ई. तक

(भाग -2)

(ECONOMIC HISTORY OF INDIA A.D. 1757 TO 1947)

Time : 3 Hours (Part-II) Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

---

1. रेलवे एवं भारतीय अर्थ व्यवस्था –
   - अ. आर्थिक एवं राजनैतिक अनिवार्यतता (बाध्यताएँ)
   - ब. भारतीय बाजार का एकीकरण एवं अधीनस्थता
   - स. भूमि संबंधी उत्पादन पर कच्चेमाल के निर्यात पर प्रभाव – कृषि का व्यवसायीकरण
   - द. अकाल एवं ब्रिटिश नीति, राष्ट्रवादी आलोचना।

2. वृहद उद्योग–
   - अ. आशुनिक उद्योग के उद्भव के पहले की अवस्था।
   - ब. भारत में पूंजीगत विनियोग – स्थानीय एवं ब्रिटिश परिणाम
   - स. 1914 के पूर्व की अवस्था में आधुनिक उद्योग – प्रकृति, उद्योग, कपास, जूट, लौह, स्टील एवं अन्य विकास की बाधाएं, राष्ट्रवादी आलोचनाएं प्रथम विश्व युद्ध की अवधि में उद्योग, आर्थिक मंदी के विशेष संदर्भ में।
   - द. औपनिवेशिक राज्य एवं औद्योगिक विकास।
   - इ. आद्योगिक श्रम/श्रमिकों का उदय, वृहद उद्योगों में श्रम शक्ति, श्रमिक आंदोलन के प्रकार, औद्योगिक श्रमिकों की सामाजिक संरचना में परिवर्तन।

3. विदेशी व्यापार एवं भुगतान संतुलन –
   - अ. बाह्य व्यापार का बदलता स्वरूप–व्यापार वाद की अवस्थाएँ, औद्योगिक पूंजी, वित्त पोषित पूंजी
   - ब. धन सम्पदा का निष्काषन (निकासी) एवं ब्रिटिश समुदाय का व्यापार

4. राजकोषीय प्रणाली –
   - अ. प्रत्यक्ष कर से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली की ओर
   - ब. टेरिफ एवं आबकारी शुल्क
   - स. मौद्रिक नीतियाँ एवं जमा/उधार प्रणाली

5. मूल्य आंदोलन –
   - अ. मूल्य आंदोलन में प्रमुख प्रवृत्ति / झुकाव
   - ब. भूस्वामी / मकान मालिकों पर किराया / लगान का प्रभाव
   - स. राज्य के राजस्व एवं व्यापार पर प्रभाव

6. राष्ट्रीय आय के आंदोलन –
   - अ. विभिन्न कल्पनाएं एवं लेखा जोखा।

7. जन संख्या –
   - अ. जनसंख्या वृद्धि, जनगणना पूर्व एवं वाद का लेखा-जोखा / आकलन
   - ब. निःशहरीकरण का विवाद
   - स. जनांकिकीय परिवर्तन की प्रवृत्ति

30/11/16 30/11/16 30-11-2016

कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. इतिहास, सेमेस्टर - IV, प्रश्नपत्र - IV

भारतीय इतिहास में नारी PAPER code - 1016

(WOMEN IN INDIAN HISTORY)

Time : 3 Hours (Part-II) Max. Marks : 80
Min. Marks : 29

1. 1. महिलाएं एवं उनके कार्यक्षेत्र - घरेलू कार्य क्षेत्र
2. महिलाओं के बाह्य कार्यक्षेत्र - कृषि उद्योग, विपणन
3. नौकरी पेशा महिलायें

2. 1. महिलाएं एवं संस्कृति - कला, संगीत एवं नृत्य के क्षेत्र में
2. सिनेमा, थियेटर एवं मीडिया के क्षेत्र में
3. साहित्य एवं धर्म के क्षेत्र में
4. साहित्य लेखन, इतिहास लेखन के क्षेत्र में

3. 1. धर्म सुधार आंदोलन एवं महिलाएं - भक्ति आंदोलन
2. धर्म सुधार आंदोलन एवं महिलाएं - ब्रम्ह समाज, आर्य समाज
3. धर्म सुधार आंदोलन एवं महिलाएं - अलीगढ़ आंदोलन
4. धर्म सुधार आंदोलन एवं महिलाएं - थियोसोफिकल सोसायटी, सेल्फ रेसपेक्ट मूवमेंट

4. 1. आंदोलन एवं राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका - आदिवासी आंदोलन
2. कृषक एवं श्रमिक आंदोलन
3. स्थानीय निकायों में महिलाओं की भूमिका - पंचायत और नगर निगम

अनुशंसित ग्रंथ -

1. डी.के. शरण - भारतीय इतिहास में नारी
2. डॉ. अंबिका पारीक - प्राचीन भारत में नारी
3. वृन्दा कारात - भारतीय नारी - संघर्ष एवं मुक्ति
4. के.सी. श्रीवास्तव - प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति
5. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (प्राचीन)
6. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (मध्यकालीन भाग-1 एवं 2)
7. कमलेश्वर प्रसाद - भारत का इतिहास (आधुनिक)
8. एल.पी. शर्मा - मध्यकालीन भारत
9. एल.पी. शर्मा - प्राचीन भारत
10. बी.एल. ग्रोवर, यशपाल - आधुनिक भारत का इतिहास
11. विपिन चंद्र - आजादी के बाद भारत
12. हरिशचन्द्र शर्मा - मध्यकालीन भारत
13. विपिन चन्द्र - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

30/11/16 30/11/16 30-11-2016 30-11-16 30.11.16